● वर्ष-4
● अंक-31
रायपुर, शुक्रवार
13 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6>> अल्मोड़ा एक बहुत ही संदर नगर

लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयारः ममता

बातचीत के लिए डॉक्टरों के नहीं आने पर बोलीं ममता

मुख्यमंत्री का सामाजिक बहिष्कार करूंगा

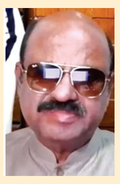

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने एलान करते हुए कहा कि बंगाल समाज के साथ एकजुटता में, मैं संकल्प लेता हूं कि मैं मुख्यमंत्री का सामाजिक बहिष्कार करूंगा। सामाजिक बहिष्कार का मतलब है कि मैं मुख्यमंत्री के साथ कोई सार्वजनिक मंच साझा नहीं करूंगा और न ही मैं किसी ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लूंगा जिसमें मुख्यमंत्री शामिल हों। राज्यपाल के रूप में मेरी भूमिका संवैधानिक दायित्वों तक ही सीमित रहेगी, जिसका निर्वहन मैंने मुख्यमंत्री के संबंध में किया है। इससे ज्यादा कुछ नहीं, इससे कम भी नहीं। मुझे इस बात से बहुत दुख है कि कोलकाता में अपराध को रोकने वाले सर्वोच्च अधिकारी, कोलकाता पुलिस आयोग के खिलाफ आपराधिक प्रकृति के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बलात्कार और हत्या की पीड़िता के परिवार के लिए न्याय समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों के साथ गतिरोध के बीच एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। ममता ने कहा कि हमने जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक के लिए दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। आरजी कर मामला क्योंकि न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए जूनियर डॉक्टरों की मांग के अनुसार उनके साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता। ममता ने कहा कि हमारे पास जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था थी, हम उच्चतम न्यायालय की अनुमति से इसे उनके साथ साझा कर सकते थे। बंगाल सीएम ने कहा कि आरजी कर मामले में गतिरोध को समाप्त करने के लिए मैंने जूनियर डॉक्टरों से बातचीत करने की तीन बार कोशिश की। जूनियर डॉक्टरों के 'काम बंद' करने से 27 लोगों की मौत हुई, सात लाख मरीज परेशान हैं। मैं आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करूंगी, उन्हें माफ कर दूंगी क्योंकि हम बड़े हैं। इसके साथ ही ममता ने कहा कि मैं बंगाल के लोगों से माफी मांगती हूं, जिन्हें उम्मीद थी कि आज आरजी कर गतिरोध खत्म हो जाएगा। ममता ने कहा कि हमारे पास बैठक को रिकॉर्ड करने की पूरी व्यवस्था थी। प्रक्रिया की पारदर्शिता और सटीक दस्तावेज़ीकरण के लिए और हम सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के साथ रिकॉर्डिंग साझा करने के लिए भी तैयार थे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस इन खबरों के बीच आई कि प्रदर्शनकारी डॉक्टर आरजी कर अस्पताल गतिरोध को हल करने के लिए सीएम की मौजूदगी में बातचीत करने पर सहमत हुए हैं। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने गुरुवार को शाम 5 बजे के निर्धारित समय के भीतर राज्य सचिवालय में प्रस्तावित बैठक में भाग लेने के अपने फैसले की घोषणा की। हालाँकि, चिकित्सकों ने घोषणा की कि वे राज्य सरकार द्वारा अनिवार्य 15 लोगों के बजाय 30 सदस्यों के साथ बैठक में भाग लेने की अपनी मूल मांग पर अड़े रहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि वे वार्ता की लाइव स्ट्रीम से कम किसी भी चीज़ पर सहमत नहीं होंगे, जिसे राज्य सरकार ने अस्वीकार कर दिया था। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं वाले बयान पर भाजपा नेता रूपा गांगुली ने कहा, आइए कल के दिन की शुरुआत इस खुशखबरी के साथ करें। उन्हें कम से कम कल स्वास्थ्य मंत्री के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

नहीं हुई बैठक

बता दें कि राज्य आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या के मुद्दे पर तृणमूल सरकार और चिकित्साकर्मियों के बीच गतिरोध जारी है। आज एक बैठक के लिए जूनियर डॉक्टरों का एक दल नबन्ना पहुंचा। हालांकि, ये बैठक नहीं हो पाई। मामले में ममता बनर्जी ने कहा कि हमने जूनियर डॉक्टरों से मिलने के लिए दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए।

जम्मू-कश्मीर में सरकार बना सकती है भाजपा- उमर

जम्मू। कुछ ही दिनों में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। फिर सभी पार्टियां इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयारियों में जुट गई हैं। उमर अब्दुल्ला फिलहाल जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनाव को लेकर लगातार प्रचार-प्रसार करते नजर आ रहे हैं। चुनाव से पहले पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने एक ऐसा बयान दिया है, जिससे राज्य की राजनीति गरमा गई है। दरअसल, उमर अब्दुल्ला को डर है कि जम्मू-कश्मीर में बीजेपी सरकार बना सकती है। मीडिया से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें डर है कि अगर कश्मीर घाटी में वोट बंटे तो इसका सीधा फायदा बीजेपी को होगा। उस स्थिति में बीजेपी सत्ता में आ सकती है। उन्होंने कश्मीर के लोगों से अपनी मतदान शक्ति का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की।

महबूबा मुफ़्ती भी डरी हुई हैं- उमर अब्दुल्ला ने एक चुनावी जनसभा में दावा किया कि आज बीजेपी के वर्करों को बंदूकें बांटी जा रही है। बीजेपी की नाकामी और हुकूमत के विपल रहने का सबसे बड़ा सबूत ये बंदूक है। इन्होंने जम्मू में दोबारा हालात खराब किए हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि 2014 तक हमारी हुकूमत थी। हमने इन इलाकों को मिलिटेंसी से आजाद कर दिया था। बीजेपी का नारा जम्मू को बचाना है एक बार बटन दबाना है झूठ है। इन्होंने जम्मू को तबाह किया है। उमर अब्दुल्ला के अलावा पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती पर भी वोट शेयरिंग का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इंजीनियर रशीद जैसे नेता कश्मीर घाटी में बीजेपी के पूरक के तौर पर काम कर रहे हैं और बीजेपी की बी टीम की भूमिका निभा रहे हैं।

क्या है बीजेपी की रणनीति?- कश्मीर में भी बीजेपी की रणनीति यही लग रही है. पार्टी ने जम्मू की हर सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, लेकिन कश्मीर घाटी में सिर्फ 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं. इस बारे में विशेषज्ञ तर्क दे रहे हैं कि पार्टी अपने दम पर कश्मीर में ज्यादा सीटें नहीं जीत सकती, ऐसे में प्रति ने स्वतंत्र उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है और चुनाव के बाद बीजेपी जीते हुए स्वतंत्र उम्मीदवारों को अपने में शामिल कर सकती है।

धर्म के आधार पर बांट रहे हैं अब्दुल्ला-बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी के चुनाव मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया ने उमर अब्दुल्ला के भद्रवाह में वीडीजी को लेकर दिए गए बयान की निंदा की। अभिजीत जसरोटिया ने कहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा ग्रामीण सुरक्षा समूह (वीडीजी) के सदस्यों को भाजपा कार्यकर्ता कहने वाले बयान को अत्यधिक आपत्तिजनक और निंदनीय करार दिया। उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला गांव सुरक्षा समूह (वीडीजी) को धर्म के आधार पर विभाजित कर रहे हैं। जसरोटिया ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वीडीजी की सेवाएं और बलिदान अमूल्य हैं और इन युवाओं ने सुरक्षा बलों और पुलिस के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में शांति की बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जसरोटिया ने कहा कि यह एक बेहद गंभीर मामला है कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने भद्रवाह में एक सभा में वीडीजी को भाजपा का कार्यकर्ता बताया।

मणिपुर में शांति स्थापित करने के प्रयास करने में सरकार

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर गंभीर जातीय हिंसा देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि हिंसा का मुख्य कारण संदिग्ध आदिवासी उग्रवादी हैं। देखा जाये तो मणिपुर में हाल के हमलों ने विशेष रूप से इंफाल घाटी में तनाव को फिर से बढ़ा दिया है। देश मणिपुर के हालात को लेकर चिंतित है और उस समय का इंतजार कर रहा है जब राज्य में शांति पूर्ण रूप से बहाल होगी। मणिपुर में हिंसा के ताजा हालात को देखकर लोगों के मन में यह प्रश्न भी उठ रहा है कि आखिर शांति की ओर बढ़ता राज्य अचानक कैसे हिंसा के मार्ग पर चला गया? दरअसल हाल की कुछ घटनाओं को जोड़ कर देखें तो ऐसा लगता है कि हिंसा की आग को भड़काने में इन प्रकरणों ने काफी महती भूमिका निभाई। शांति की ओर लौटते मणिपुर को फिर से अशांत करने और राज्य सरकार के खिलाफ माहौल बनाने के उद्देश्य से एक ऑडियो क्लिप सामने आया। 6 अगस्त को सामने आये एक कथित ऑडियो क्लिप में एक समुदाय के बारे में कथित तौर पर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की आपत्तिजनक टिप्पणी थी। हालांकि इस संबंध में सरकार ने 8 और 20 अगस्त को दो आधिकारिक बयानों के साथ स्थिति को स्पष्ट करते हुए दावा किया कि रिकॉर्डिंग के साथ छेड़छाड़ की गई थी और इसका उद्देश्य सांप्रदायिक हिंसा भड़काना और शांति प्रक्रिया को बाधित करना था। लेकिन इस क्लिप के जरिये नुकसान हो चुका था और जनता का गुस्सा बढ़ गया था। इसके अलावा, 12 अगस्त को राज्य विधानसभा में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कुकी-ज़ो जनजाति के एक उपसमूह, थडौ समुदाय के साथ शांति वार्ता की योजना की जो घोषणा की.

अवैध मस्जिद को खुद हटाएंगे मुसलमान किया ऐलान

संजौली। संजौली मस्जिद और अन्य मस्जिदों के इमाम ने मस्जिद के अवैध हिस्से को खुद ही हटाने की बात कही है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज मुल्क को भाईचारे की जितनी ज्यादा जरूर है, शायद ही इतनी कभी रही हो। वक्त की जरूरत को मद्देनजर रखते हुए हमने ये फैसला लिया है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश के शिमला के संजौली में मस्जिद में अवैध निर्माण को लेकर एक बार फिर से जमकर बवाल देखने को मिला। 11 सितंबर को संजौली में धारा 163 टूट गई और पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प भी हुई। पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा था। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कल संजौली में विरोध प्रदर्शन हुआ था, ये बड़े पैमाने पर हुआ था और इसमें कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे, वो अस्पताल में हैं और कुछ प्रदर्शनकारी भी इसमें घायल हुए थे। हमने कल कहा था यह भी कि हमारी सहानुभूति उनके साथ है, लेकिन कानून अपनी प्रक्रिया पूरी करेगा और कर रहा है, सरकार कानून के मुताबिक काम करती है, आज एक बड़ा घटनाक्रम यह हुआ है कि मस्जिद कमेटी के पदाधिकारी आज कमिश्नर से मिले और उन्होंने कहा है कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए हम इस जगह को सील करने के लिए तैयार हैं, इसके लिए उन्होंने नगर आयुक्त को लिखित पत्र दिया है, नगर आयुक्त इस पर कार्रवाई करेंगे, इसे सील कर दिया जायेगा और उन्होंने यह भी कहा है कि जो भी निर्णय आयेगा। कमिश्नर की अदालत में, वे इसका भी सम्मान करेंगे। मुस्लिम मौलवी ने शिमला के नगर निगम आयुक्त भूपेन्द्र कुमार अत्री से मुलाकात की। शिमला के जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती मोहम्मद शफ़ी कासमीने कहा कि हमने इसमें (ज्ञापन) कहा है कि, इस क्षेत्र में इस सीमावर्ती राज्य में भाईचारे (समुदायों के बीच) की एक बड़ी आवश्यकता है। हम हमेशा यहां रहते हैं.

प्रमुख समाचार

मोदी का इंतजार रहेगा, डोभाल से बोले रूसी राष्ट्रपति पुतिन

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच 900 से भी अधिक दिनों से जंग जारी है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल रूस के दौरे पर हैं। रूस दौरे पर एनएसए डोभाल ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। रूसी राष्ट्रपति ने 22 अक्टूबर को द्विपक्षीय मुलाकात का प्रस्ताव दिया। पुतिन ने कहा कि कजान में पीएम मोदी का इंतजार रहेगा। दरअसल, अक्टूबर के महीने में रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। पीएम मोदी इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए ही रूस पहुचेंगे। जब पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति से फोन पर बात की थी। उसी दौरान पीएम मोदी ने एनएसए को रूस दौरे पर भेजने की बात कही थी। आपको बता दें कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित करने में जुटा है और हर पक्ष से बातचीत कर रहा है। अजित डोभाल ब्रिक्स देशों के एनएसए स्तर की बैठक में हिस्सा लेने के लिए मॉस्को में हैं। डोभाल की यात्रा इसलिए भी अहम हो जाती है क्योंकि पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ-साथ वो भी मौजूद थे।

रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डीआरडीओ तैयार

नई दिल्ली। भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन अगले महीने के लिए निर्धारित व्यापक परीक्षण कार्यक्रम के साथ अपने मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए कमर कस रहा है। सूत्रों के अनुसार, डीआरडीओ पारंपरिक और सामरिक मिसाइलों सहित विभिन्न मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण करेगा, जो देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। ये परीक्षण न केवल मौजूदा मिसाइल प्रणालियों के प्रदर्शन को बढ़ाएंगे बल्कि नई पीढ़ी की मिसाइलों को भी पेश करेंगे। यह पहल रक्षा में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, एक ऐसा लक्ष्य जिसने हाल के भू-राजनीतिक परिवर्तनों के मद्देनजर तत्काल आवश्यकता प्राप्त कर ली है। नियोजित परीक्षण कार्यक्रम सामरिक मिसाइल प्रणालियों पर केंद्रित होगा जो भारत की निवारक क्षमताओं को मजबूत करेगा। यह विकास भारत की दूसरी परमाणु पनडुब्बी, आईएनएस अरिघाट के हाल ही में शामिल होने के बाद हुआ है, जो के-4 और के-15 पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस है।

धरती से 737 किलोमीटर ऊपर 4 आदमियों ने किया स्पेसवॉक

फ्लोरिडा। अमेरिकी बिजनेस टाइकून एलन मस्क की स्पेस-टेक कंपनी स्पेसएक्स ने पोलारिस डॉन मिशन 10 सितंबर को लॉन्च किया था. गुरुवार को स्पेस एक्स के इस मिशन ने नया रिकॉर्ड बनाया. पहली बार पृथ्वी से 737 किलोमीटर ऊपर स्पेस में आम नागरिकों ने वॉक किया. नए एडवांस प्रेशराइज्ड सूट में मिशन कमांडर जारेड आइसैकमैन ने पहले स्पेसवॉक की. स्पेसवॉक के वीडियो पर एलन मस्क ने भी कमेंट किया है. उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी है. फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से पोलारिस डॉन मिशन के तहत 4 लोगों ने स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन कैप्सूल से उड़ान भरी थी. ये मिशन 5 दिन का है. जारेड आइसैकमैन मिशन के कमांडर हैं. स्कॉट किड पोटीट पायलट हैं. जबकि साराह गिलिस और अन्ना मेनन मिशन स्पेशलिस्ट हैं. पोटीट, गिलिस और मेनन पहली बार अंतरिक्ष में गए हैं. पोटीट यूएस एयरफोर्स के पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल हैं. अपोलो काल के बाद अब तक का यह सबसे ऊंचा क्रू मिशन है. इसलिए क्योंकि यह मिशन 1400 किलोमीटर की ऊंचाई तक गया.

राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने की मांग

नई दिल्ली। राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयान को लेकर चौतरफा हमला शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल विदेश जाकर देश को बदनाम करते हैं। ऐसे लोग देश विरोध का काम कर रहे हैं। इनकी संसद की सदस्यता रद्द की जाए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल की संसद सदस्यता इस तरह के बयान देने पर रद्द कर दिया जाना चाहिए। जीतन राम मांझी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कोई भी देशभक्त विदेशी धरती पर जाकर जनता की चुनी गई सरकार पर अभद्र टिप्पणी नहीं कर सकता। राहुल गांधी का बयान एक देशद्रोही का बयान है उनके उपर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। रही बात आरक्षण की तो नरेंद्र मोदी जी के रहते किसी राहुल गांधी की हैसियत नहीं कि देश से आरक्षण खत्म कर दे। लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल गांधी का ये पहला अमेरिकी दौरा है। राहुल जब भी विदेश जाते हैं तो देश में विवादों की आंधी आ जाती है। इस बार भी यही हो रहा है। राहुल गांधी के जिन बयानों को लेकर देश में हंगामा हो रहा है.

पी डी पर जब ए हमला करता तो खामोश हो जाते हैं अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव अक्सर पीडीए यानी पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक समाज के पक्ष में जोरदार तरीके से आवाज उठाते रहते हैं, लेकिन जब पी (पिछड़ा) समाज के किसी धार्मिक कार्यक्रम में ए (अल्पसंख्यक) समाज के लोग उधम मचाते हुए पथराव करते हैं तो अखिलेश यादव का पीडीए प्रेम न जाने कहां दम तोड़ देता है। इसका ताजा उदाहरण लखनऊ के चिनहट की गंगा विहार कॉलोनी में मंगलवार 10 सितंबर की रात को देखने को मिला जब गणेश पूजन के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के युवकों की ओर से पिछड़ा समाज के प्रमोद चौरसिया के यहां बेवजह पथराव व हंगामा किया गया, लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत की चलते अखिलेश और उनकी पार्टी के किसी नेता ने इसके खिलाफ मुंह खोलना उचित नहीं समझा। ऐसा ही तब भी हुआ था जब अयोध्या में एक दलित किशोरी के साथ सपा के मुस्लिम नेता ने दुराचार कांड को अंजाम दिया था। ऐसे में विपक्ष का यह आरोप प्रसांगिक लगता है कि अखिलेश का दलित और पिछड़े समाज पर होने वाले अत्याचार से कुछ लेना देना नहीं है। वह पी और डी का नाम सिर्फ अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये करते हैं।

कौन किसपर पड़ेगा भारी? भाजपा ने सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं

हरियाणा के 'कुरुक्षेत्र' में भाजपा-कांग्रेस ने बिछा दी सियासी बिसात?

नई दिल्ली। हरियाणा में गुरुवार को नामांकन भरने का काम पूरा हो गया. इसी के साथ राज्य की चुनावी महाभारत के लिए सेनाएं सज गई हैं. पांच अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले सभी राजनीतिक दलों के लिए बड़ा सिरदर्द बड़ी संख्या में मैदान में उतरे बागी हैं. बीजेपी हो या कांग्रेस या फिर क्षेत्रीय दल, सभी बागियों से और नेताओं की नाराजगी से परेशान हैं. 16 सितंबर तक नाम वापसी हो सकती है और कोशिश यह है कि नाराज नेताओं को मना लिया जाए. इस बीच टिकट बंटवारे में सभी दलों ने राज्य के जातीय समीकरणों को ध्यान में रखा है.

बीजेपी ने सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं. इनमें बीजेपी ने ओबीसी,जाट, एससी, ब्राह्मण और पंजाबियों को सबसे ज्यादा टिकट दिए. बीजेपी की तरफ से ओबीसी को 20, दलित 17, जाट 16, ब्राह्मण 11,पंजाबी 11,वैश्य 5,राजपूत 4, सिख 2,मुस्लिम 2,बिश्नोई समाज के 2 उम्मीदवार मैदान में उतारे गए हैं.

कांग्रेस का क्या है समीकरण?

कांग्रेस ने 89 उम्मीदवार घोषित किए हैं और एक सीट सीपीएम को दी है. इनमें से 85 सीटों का जातिगत विश्लेषण की अगर बात करें तो कांग्रेस ने जाटों को सबसे ज्यादा 26 टिकट दिए हैं. जाट 26, ओबीसी 20, दलित 18,पंजाबी 5,ब्राह्मण 4,मुस्लिम 5,वैश्य 2,राजपूत 1,सिख 2 और 2 गुर्जर को मैदान में उतारा है.

आज नामांकन खत्म होने के बाद सारे बड़े नेता अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं. कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सभी प्रत्याशियों को भारी जन समर्थन मिल रहा है, निश्चित तौर पर आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी हरियाणा में आ रही है और भारतीय जनता पार्टी यहां से जा रही है. उन्होंने कहा कि मैं पूरे हरियाणा में सभी विधानसभा में घूम रहा हूं पूरे हरियाणा में कांग्रेस की लहर चल रही है और आने वाले समय में पूर्ण बहुमत से कांग्रेस की सरकार हरियाणा में बनने जा रही है.

भाजपा की सीटों पर है सबकी नजर

बीजेपी की तरफ से सीएम नायाब सिंह सैनी लाडवा सीट से मैदान में हैं. अंबाला कैंट से अनिल विज मैदान में हैं. आदमपुर से भव्य बिश्नोई चुनावी मैदान में हैं. नारनौंद से कैप्टन अभिमन्यु को मैदान में उतारा गया है. तोशाम से श्रुति चौधरी को चुनावी मैदान में बीजेपी की तरफ से उतारा गया है.

कांग्रेस के लिए ये हैं प्रतिष्ठा की सीटें

गढ़ी सांपला किलोई भूपेंद्र सिंह हुड्डा पूर्व सीएम चुनावी मैदान में हैं. जुलाना सीट से विनेश फोगाट किस्मत अजमा रही है. उचाना कलां से बृजेंद्र सिंह चुनावी मैदान में हैं. पंचकुला से चंद्रमोहन मैदान में हैं. आदित्य सुरजेवाला कैथल से किस्मत अजमा रहे हैं.

हरियाणा में आबादी?

जाति	आबादी
ओबीसी	30%
जाट	22%
दलित	21%
ब्राह्मण	8%
वैश्य	5%
राजपूत	3.5%
मुस्लिम	3.5%
अन्य	7%

राजनीतिक विश्लेषक ने क्या कहा?

राजनीतिक विश्लेषक अमिताभ तिवारी ने बताया कि हरियाणा की राजनीति में प्रमुख राजनीतिक दलों के अलावा अन्य दल जो होते हैं उनका बहुत ही अहम योगदान होता है. लगभग 18 से लेकर 30 प्रतिशत तक वोट शेयर पिछले 5 विधानसभा चुनावों में अन्य दलों को मिले हैं. पिछले चुनाव में 12 सीटों पर अन्य दल तीसरे नंबर पर थे. जिन सीटों पर ये दल तीसरे नंबर पर थे वहां उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस के खेल को बिगाड़ा था. उन्होंने कहा कि कम से कम 15 से 20 सीटों पर क्लोज फाइट हरियाणा में देखने को मिल सकती है. इस चुनाव में दोनों ही दलों ने अपने कोर वोटर्स को साधने की कोशिश की है.

द बस्तर मड़ई में बिखरेगी बहुरंगी कला-संस्कृति की छटा

बस्तर दशहरा पर्व, 15 अक्तूबर को मुरिया दरबार का आयोजन

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास कार्यालय में 75 दिन तक मनाये जाने वाले देश के ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के सफल आयोजन के संबंध में समीक्षा बैठक की। इस दौरान बस्तर दशहरा पर्व की गरिमा के अनुरूप सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सर्व संबंधितों को सौंपे गए दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किये जाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 75 दिन तक चलने वाला बस्तर दशहरा पर्व हरेली अमावस्या के दिन पाट जात्रा पूजा विधान के साथ 4 अगस्त से शुरू हो चुका है, जो कि 19 अक्तूबर तक मनाया जाएगा। यह दशहरा पर्व विभिन्न जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक भावना का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

समीक्षा बैठक के दौरान सीएम साय को बस्तर दशहरा उत्सव समिति द्वारा इसमें तिथिवार विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। इसमें बताया गया कि ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के दौरान 15 अक्तूबर को मुरिया दरबार का आयोजन होगा। इसी तरह बस्तर दशहरा को भव्य रूप देने के लिए बस्तर मड़ई, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स मीट, एक पेड़ बस्तर के देवी-देवताओं के नाम, बस्तर टूरिस्ट सर्किट, दसरा पसरा, नगरगुड़ी टेंट सिटी, टूरिज्म ट्रेवलर्स ऑपरेटर मीट, देव सराय, स्वच्छता पखवाड़ा जैसे विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

बस्तर दशहरा पर्व में लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष यात्री बसों के संचालन के सम्बंध में भी चर्चा की गई। 4 अगस्त को पाट जात्रा पूजा विधान से शुरू हुए ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के अंतर्गत 2 अक्तूबर को काछनगादी पूजा विधान, रेलामाता पूजा विधान, 5 अक्तूबर से 10 अक्तूबर तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा विधान, रथ परिक्रमा पूजा विधान, 12 अक्टूबर को मावली परघाव विधान, 15 अक्टूबर को काछन जात्रा पूजा विधान और मुरिया दरबार, 16 अक्तूबर को कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान, 19 अक्तूबर को मावली माता जी की डोली की विदाई पूजा विधान आयोजित है।

मुरिया दरबार में विभिन्न जनजातीय समुदायों के प्रमुख, नेता और प्रशासनिक अधिकारी मिलकर संस्कृति, परंपरा और प्रथाओं को सहेजने और सामुदायिक मांग तथा समस्याओं पर विचार करते हैं। इस वर्ष 15 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जायेगा। मुरिया दरबार आयोजन के 10 दिन बाद बस्तर संभाग के मांझी, चालकी, मेम्बर, मेम्बरीन, पुजारी, कोटवार, पटेल, मातागुड़ी के मुख्य पुजारियों का सम्मेलन आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा कई अभिनव पहल की जा रही है। द बस्तर मड़ई के अंतर्गत बस्तर की प्राकृतिक सौन्दर्य, ऐतिहासिक एवं पुरातत्विक स्थलों, एडवेंचर स्थलों, सांस्कृतिक स्थलों से पर्यटकों को अवगत कराने के लिए प्रशासन द्वारा द बस्तर मड़ई की अवधारणा तैयार की गई है। बस्तर मड़ई के अंतर्गत 21 सितंबर को सामूहिक नृत्य कार्यक्रम, 21 सितंबर से 1 अक्तूबर तक बस्तर हाट-आमचो खाजा, 24 सितंबर को सिरहासार परिसर मैदान में बस्तर नाचा, 27 सितंबर को पारंपरिक लोक संगीत, 29 सितंबर को बस्तर की कहानियां एवं हास्य कवि सम्मेलन, 30 सितंबर को बस्तरिया नाचा जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 2 अक्तूबर से बस्तर दशहरा की समाप्ति तक बस्तर के पारंपरिक व्यंजन के स्टॉल लगाए जाएंगे।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप तथा विधायक जगदलपुर किरण सिंहदेव व सुश्री लता उसेंडी और मुख्य सचिव अमिताभ जैन तथा मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानन्द, बसवराजू एस, राहुल भगत और सचिव अन्बलगन पी, आयुक्त बस्तर डोमन सिंह, बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम, एसपी शलभ सिन्हा उपस्थित रहे।

12 लाख के चार इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर। छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर कमांडर सहित चार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सली उत्तर बस्तर डिवीजन के कुएमारी एरिया कमेटी में सक्रिय थे। आत्मसमर्पित नक्सलियों में दो महिला नक्सली और दो पुरुष नक्सली शामिल हैं। चारों नक्सलियों पर 12 लाख का इनाम घोषित था।

कांकेर एसपी आई के एलिसेला ने बताया कि सुरजन्ना उर्फ सिताय कोर्राम कुऐमारी एलओएस कमांडर थी, जिस पर पांच लाख का इनाम घोषित था। इस पर 2007 से 2024 तक कुल 24 मामले दर्ज हैं। वहीं, 2010 में नारायणपुर में एक घटना में 27 जवान शहीद हो गए थे, उसमें यह महिला नक्सली शामिल थी। कुएमारी एरिया कमेटी सदस्य नरेश उर्फ लक्कू पुनेम पर भी पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। 2013 से 23 तक पांच नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है।

कुएमारी एलओएस सदस्य सागर उर्फ गंगा और अंजू उर्फ सरिता शोरी पर एक-एक लाख का इनाम घोषित था। दोनों नक्सली पर 2017 से 23 तक 12 नक्सल घटनाओं में शामिल रहे हैं। चारों नक्सलियों ने पुलिस द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध चलाये जा रहे नक्सल उन्मुलन अभियान तहत शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 25-25 हजार का प्रोत्साहन राशि भी दिया गया है।

नक्सलियों ने जप्पेमरका में 2 ग्रामीणों को फांसी पर लटकाकर मार डाला

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नक्सल प्रभावित अंदरूनी ग्राम जप्पेमरका में नक्सलियों ने दो दिन पहले एक छात्र समेत तीन ग्रामीणों के लिए जनअदालत लगाई थी। नक्सलियों के भैरमगढ़ एरिया कमेटी ने कथित जनअदालत में मुखबीरी का आरोप लगाकर दो ग्रामीणों माड़वी सूजा और पोडियाम कोसा को फांसी के फंदे पर लटका दिया, दोनों ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सलियों की कथित जनअदालत में जप्पेमरका के ग्रामीण माड़वी सूजा और पोडियाम कोसा पर मुखबिरी का आरोप लगाकर उन्हें फांसी की सजा सुनाकर ग्रामीणों के सामने ही फांसी पर लटका कर मार डाला गया। इस कथित जनअदालत से मिरतूर छात्रावास में पढ़ाई करने वाले छात्र पोडियम हिड़मा को रिहा कर दिया है। नक्सलियों के भैरमगढ़ एरिया कमेटी ने इस जघन्य हत्याकांड की जिम्मेदारी लेते हुए मारे गए आदिवासियों के सीने पर पर्चा चस्पा कर दिया है।

डकैती में प्रयुक्त आरोपियों की बाइक रंगाकला गांव में मिली

रामानुजगंज। बुधवार को नगर की सराफा दुकान में दिलदहाड़े हुई डकैती में पुलिस ने आरोपियों द्वारा डकैती में प्रयुक्त की गई दुपहिया वाहन को झारखंड के रंकाकला गांव से बरामद कर लिया है। लेकिन आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। हालांकि पुलिस ने कहा हैं कि जल्द ही वह आरोपियों के गिरेबान तक पहुंच जाएगी।

उल्लेखनीय हैं कि बुधवार को शहर के गांधी चौक स्थित सराफा दुकान राजेश ज्वेलरी में सुबह 11 बजे के आसपास डकैतों ने एकाएक धावा बोल दिया और दुकान के संचालक राजेश के साथ मारपीट करते हुए डकैती की घटना को अंजाम दिया था। कट्टे की नोंक पर तीन डकैतों ने दुकान के अंदर प्रवेश कर संचालक को पकड़ में लेते हुए उसके साथ जमकर मारपीट की और दूसरा दुकान में रखे आभूषणों को झोले में समेटता रहा, तीसरा आरोपी बंदूक की नोंक पर उस समय दुकान में उपस्थित ग्राहक और काम करने वाले युवक को एक जगह बंधक बना दिया था और दो आरोपी दुकान के बाहर बाइक पर बैठे हुए थे। डकैती के बाद पांचों आरोपी इन्हीं दो बाइक पर समीपवर्तीय प्रांत झारखंड की ओर भाग निकले।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा अफसर घटनास्थल पहुंच गए थे और काफी दुकान तक आरोपियों का पीछा भी किया था, उसी समय पुलिस को इस बात का संदेह को गया था कि वारदात में शामिल सभी आरोपी झारखंड से है और तत्काल पुलिस कप्तान ने झारखंड पुलिस से बात कर आरोपियों के बारे में जानकारी साझा करते हुए मदद मांगी थी। आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस को गुरुवार की सुबह रंकाकला के पास लावारिस हालत में एक बाइक पड़े होने की सूचना स्थानीय लोगों ने झारखंड पुलिस को दी। यह सूचना उन्होंने रामानुजगंज पुलिस को दी जिसके बाद रामानुजगंज पुलिस ने बाइक को अपनी कस्टडी में ले लिया। बाइक मिलने के बाद आरोपियों की रंकाकला गांव के साथ आसपास के गांव में भी तलाश की जा रही है और झारखंड पुलिस ने भी इन क्षेत्रों की नाकेबंदी करते हुए संदिग्ध लोगों की जांच पड़ताल कर रही है।

22 परीक्षा केंद्रों में होगा हॉस्टल अधीक्षक परीक्षा

एमसीबी। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के द्वारा 15 सितंबर 2024 दिन रविवार को छात्रावास हॉस्टल अधीक्षक की परीक्षा दोपहर 12 से 02ः15 बजे तक जिले के 22 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जायेगी। परीक्षा को सुचारू रूप से संचालन हेतु पर्यवेक्षक एवं अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। नियुक्त अधिकारी परीक्षा की गोपनीय सामग्री परीक्षा 15 सितंबर 2024 को प्रातः 10 बजे अनिवार्य रूप से जिला कोषालय मनेंद्रगढ़ स्ट्रॉंग रूम से प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा परीक्षा समाप्ति पश्चात् समन्वयक, प्राचार्य शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के पास जमा करेंगे।

अधिकारियों एवं परीक्षा केंद्र इस प्रकार है - तरूण कुमार एक्का को 42001 शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़, शैलेश कुमार गुप्ता को 42002 शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ, विनय त्रिपाठी को 42003 शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़(ई.), सुश्री वैशाली सिंह को 42004 शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ (टी.), विकास मिश्रा को 42005 शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल लालपुर मनेंद्रगढ, अनिल चौरसिया को 42006 संत जोसेफ स्कूल झगराखाण्ड, अजय कुमार पैकरा को 42007 सरस्वती विकास विद्यालय मनेंद्रगढ, एस.एस. पैकरा को 42008 विजय इंग्लिश मिडियम स्कूल मनेंद्रगढ, सी.पी.साहू को 42009 दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़, एन.पी. सिंह को 42010 सेंट पैट्रीक एकाडमी स्कूल चौघड़ा मनेंद्रगढ़, लाल सिंह आर्मो को 42011 ब्लोसम ऐकेडमी स्कूल मनेंद्रगढ़, सुश्री शशीकला पैकरा को 42012 यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़, दयानंद तिग्गा को 42013 खालसा हायर सेकेन्ड्री इंग्लिस मिडियम स्कूल मनेंद्रगढ़, संजय श्रीवास्तव 42014 सरस्वती शिशु मंदिर मनेंद्रगढ़, सुश्री विनिता चौरासे को 42015 सरस्वती शिशु मंदिर झगराखण्ड रोड़ मनेंद्रगढ़, जतीन देवांगन को 42016 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नागपुर, बलविन्द्र सिंह को 42017 ज्योति मिशन उच्चतर माध्यमिक विद्यायल सरभोका, विनोद भगत को 42018 भियानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरभोका, बसंत राम को 42019 सरस्वती शिशु मंदिर सरभोका, विनोद जायसवाल को 42020 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा, पवन कुमार साहू को 42021 शासकीय हाई स्कूल पिपरिया, सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल को 42022 ऐकेडमिक हाईट पब्लिक स्कूल तेन्दुडांड के लिए नियुक्त किया गया है।

शिक्षक आत्महत्या मामले में तीन की गिरफ्तारी

मोहम्मद अकबर की जमानत याचिका खारिज

बालोद। बालोद जिले के डोंडी ब्लॉक के ग्राम ओडगांव के प्राथमिक शाला के हेडमास्टर देवेंद्र कुमार के आत्महत्या मामले में पुलिस अब एक्शन मोड पर है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं प्रदेश के पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर जिनके नाम का जिक्र सुसाइड नोट में था, उन्हें बड़ा झटका लगा है। दरअसल, मोहम्मद अकबर ने बालोद न्यायालय के समक्ष अग्रिम जमानत याचिका दर्ज की थी। जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया है। न्यायालय ने साक्ष्य प्रभावित होने का हवाला देते हुए जमानत खारिज कर दी है।

प्रधान पाठक देवेंद्र ठाकुर के आत्महत्या मामले मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर को अपना मामा कहने वाले मदार खान उर्फ सलीम खान, प्रदीप ठाकुर को मंगलवार को गिरफ्तार किया। बुधवार को हरेंद्र नेताम को महाराष्ट्र के अमरावती से गिरफ्तार किया है। इन तीनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं जिला एवं सत्र न्यायधीश ने पूर्व वन मंत्री की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

पूर्व वन मंत्री के वकील ने जमानत याचिका लगाई थी। जिसे खारिज कर दिया है। अब पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकती हुई नजर आ रही है। जिले के डौण्डी क्षेत्र के इस हाईप्रोफाइल व चर्चित मामले में पुलिस एक्शन मोड़ में है और बारीकी से जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

838 आंगनबाड़ी केन्द्रों में वजन त्यौहार का आयोजन 23 तक

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी के मार्गदर्शन में गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में 0 से 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों में पोषण स्तर के आंकलन हेतु समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए 12 सितम्बर से 23 सितम्बर 2024 तक सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में वजन त्यौहार आयोजित किया जाना है। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री अतुल परिहार ने बताया कि जिले में 25 हजार बच्चे हैं, जिसमें 0 से 6 तक के बच्चों का वजन एवं ऊंचाई का मापन कलस्टरवार तिथि का निर्धारन करते हुए 180 कलस्टर, 838 आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों का वजन लिया जायेगा। वजन त्यौहार के दौरान कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण की स्थिति का पता लगाया जाएगा। वजन त्यौहार के अवसर पर प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु ग्राम एवं वार्ड स्तरीय, दल का गठन किया जाकर समुदाय के समक्ष ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में सर्वेक्षित बच्चे का वजन लिया जाकर पोषण स्तर का मापन किया जाएगा।

ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन 30 अक्टूबर तक

खैरागढ़। शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु कक्षा 12वीं से उच्चतर कक्षाओं के लिए ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पोस्ट मैट्रिक-स्कॉलरशीप डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन पर की जा रही है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाईन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन की तिथि 30 अक्टूबर 2024 तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक 16 सितम्बर से 14 नवंबर 2024 एवं सेंक्शन ऑर्डर लॉक करने की तिथि 16 सितम्बर से 21 नवंबर 2024 तक की जा सकती है। इसके पश्चात् शिक्षा सत्र 2024-25 के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन ऑनलाईन आवेदन, ड्राफ्ट प्रपोसल लॉक एवं सेक्शन ऑर्डर लॉक करने के लिए अवसर प्रदान नही किया जाएगा। सहायक आयुक्त ने बताया कि वर्ष 2024-25 से छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है। पीएफएमएस द्वारा आधारित भूगतान की जा रही है।

25 हजार रुपये की रिश्वत ले रहा था मनरेगा का लोकपाल

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की एक बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की टीम ने मनरेगा के लोकपाल को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। पीड़ित गौरेला जनपद पंचायत के कार्यक्रम अधिकारी की शिकायत पर यह बड़ी कार्रवाई की गई है। लोकपाल मनरेगा वेद प्रकाश पांडेय को गिरफ्तार कर छह सदस्य एसीबी की टीम गौरेला जनपद के सभागार ले गई। गौरेला जनपद पंचायत के कार्यक्रम अधिकारी रोशन सराफ ने शिकायत दर्ज कराई थी। उनके एक भ्रष्टाचार के मामले में मनरेगा लोकपाल वेद प्रकाश पांडेय के द्वारा उनसे रिश्वत मांगी जा रही है, जिसकी शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने जिला पंचायत के लोकपाल मनरेगा के कार्यालय में दबिश दी और रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जीजा को साले ने बेरहमी से पीटा, वीडियो बनाया

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में एक साले ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर जीजा की बेरहमी से पिटाई कर दी है, जिससे उसे काफी चोटें आई है। पीड़ित जीजा को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रैफर कर दिया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना कवर्धा के नाउडीह गांव का है। आरोपी साला विश्वामित्र वर्मा और उसके चार दोस्तों ने जीजा धर्मराज वर्मा को कमरे में बंद कर बेल्ट और पाइप से गंभीर चोट पहुंचाया। मारपीट का खबर लगते ही गांव वालों ने युवक को उसके साले के चंगुल से छुड़ाया और मारपीट करने वाले लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पीड़ित धर्मराज वर्मा का आरोप है पारिवारिक विवाद के चलते उसका साला चार गुंडों के साथ मिलकर उसके घर घुसा और कमरे में बंद कर नंगे कर बेरहमी से पीटा। साथ ही मारपीट का वीडियो भी बनाया है। इतना ही नहीं युवक के प्राइवेट पार्ट को जलाने की भी कोशिश की। पीड़ित का कहना है। उसका ससुर विश्व हिन्दू परिषद का प्रदेश अध्यक्ष है, जिनके दम पर उनका साला गुंडागर्दी करता है और इसी के दम पर मारपीट किया है।

जशपुर के जंगल में धड़ पड़ा मिला सिर से अलग

जशपुर। श्रीनदी से सटे हुए जंगल में लाश की सूचना के बाद मौके पर हचलच मच गयी। लाश की स्थिति को देखकर नृशंस हत्या की आशंका जताई जा रही है। इलाके के एक व्यक्ति ने लाश को देखा उसके बाद खबर आग की तरह फैल गयी और घटनास्थल पर भारी भीड जमा हो गयी। क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की तफ्तीश में जुट गयी है, शव की शिनाख्त का प्रयास भी किया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया है। कुनकुरी थाना प्रभारी सुनील सिंह ने कहा प्रारंभिक जांच में हत्या का मामला नजर आ रहा है घटना गंभीर है, हम मामले की पूरी जांच कर रहे हैं। जल्द ही इस पर स्थिति साफ हो जाएगी।

कोरिया में रेशम से धागा बनाने का काम बंद

कोरिया। वर्तमान में कोरिया जिले में 11 रेशम केंद्रों से हर साल कोकून का उत्पादन हो रहा है। भारी मात्रा में कोकून उत्पादन होने के बावजूद इसका फायदा यहां के लोगों को नहीं हो रहा है। कोसा बीज का फायदा बाहर के व्यापारी उठा रहे हैं। कोरिया में कोसा के बीज से रेशम का धागा बनाने का काम बंद है। कोसा से धागा बनाने के लिए हर साल सरकार 50 मशीनें किसानों और स्व सहायता समूहों को देती है। लोगों के बीच बांटी जाने वाली मशीनें अब कबाड़ होती जा रही हैं।

कोसा का उत्पादन करने वाले किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सेंट्रल सिल्क बोर्ड ने 12 हजार की मशीनें शासन से सब्सिडी पर किसानों को कीमत पर दी जाती हैं। कम कीमत पर बांटी जाने वाली इन मशीनों से अभी तक धागा बनाने का काम शुरु तक नहीं हुआ है। इसका फायदा अब बाहर के व्यापारी उठा रहे हैं। बाहर के बिजनेसमैन उत्पाद को खरीदकर ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। कर्मचारी गुलाब सिंह ने कहा हम यहां मशीनों की सुरक्षा का काम करते हैं। हमें इसके बदले में वेतन दिया जाता है। मशीनों को लेकर बाकी जो भी जानकारी है वो अधिकारियों के पास हैं। हमारा काम बस इनकी चौकीदारी करना है।

कोसा के उत्पादन में कोरिया जिले का नाम हमेशा सेआगे रहा है। कोरिया जिले में कोकून तैयार करने के लिए 11 सेंटर बनाए गए हैं। इन सेंटरों में हर साल कोकून की 2 फसलें तैयार की जाती हैं। रेशम विभाग के अफसरों की मानें तो एक सीजन में 8 लाख से अधिक कोकून तैयार होते हैं लेकिन इसका फायदा जिले वासियों को नहीं मिलता। जिला रेशम अधिकारी एसएन सिंह ने कहा दो साल पहले जिला पंचायत की ओर से दीपा परियोजना के तहत मशीनों को लाया गया था। पहले उत्पादन किया जाता रहा है। ये मशीनें दस साल पुरानी हैं।

बाढ़ : धामनसरा, सिंगदाई, मोहड़ और हल्दी गांव पहुंचे रमन सिंह

■ **राजनांदगांव में बाढ़ से लगभग 250 लोग प्रभावित**

राजनांदगांव। भारी बारिश के बाद शिवनाथ नदी उफान पर है। जिससे दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा में नदी किनारे बसे कई गांवों में बाढ़ की स्थिति है। मोगरा बैराज, घुमरिया और अन्य बैराजों से पानी छोड़ा गया है,जिसके कारण बाढ़ का पानी कई गांवों में घुस गया है। बाढ़ में फंसे कई लोगों को एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। सीएम विष्णुदेव साय ने सभी जिला कलेक्टर को बाढ़ को लेकर अलर्ट किया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह बुधवार को राजनांदगांव पहुंचे। उन्होंने बाढ़ प्रभावित गांव को दौरा किया। सिंगदाई, मोहड़, हल्दी और धामनसरा गांव पहुंचकर उन्होंने गांव वालों से चर्चा की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रमन सिंह ने अधिकारियों को तेजी से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत काम करने के निर्देश दिए।

बाढ़ प्रभावितों से चर्चा के बाद छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने बताया कि इस बार भादो में काफी ज्यादा बारिश हुई। पिछले 25 सालों में कभी भी इतनी बारिश नहीं देखी। रमन सिंह ने कहा कि भादो की बारिश को दाना बरसना कहते हैं। इसे अमृत माना जाता है लेकिन शिवनाथ नदी के किनारे बारिश एक आपदा बनकर आई। धामनसरा, सिंगदाई, मोहड़ और हल्दी में बारिश से काफी नुकसान हुआ। कच्चे मकान में बारिश का पानी घुस गया। धान के खेतों में पानी भरा हुआ है। सब्जी की फसल का नुकसान हुआ है।

रमन सिंह ने कहा कि गांव वालों ने मांग की है कि बारिश में जैसे ही डेम खुलता है उसके साथ एनीकट को भी खोला जाए। एनीकट के गेट नहीं खुलने के कारण लगभग 6 फीट तक कचरा जमा हो गया है। जिससे जरूरत पड़ने पर एनीकट के गेट नहीं खुल पाते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने बताया कि 200 से ढाई सौ लोगों के पास रहने खाने की कोई व्यवस्था नहीं है। हमारी कोशिश है कि इनके लिए खाने के पैकेट दिया जाए। बाढ़ का पानी उतरने के बाद तुरंत राजस्व के अधिकारी आकर सर्वे करेंगे। धान डूबने से कितनी क्षति हुई है। कच्चे मकान कितने प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सभी नुकसानों का आंकलन कर राजस्व मद और दूसरे मदों से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बाढ़ से निपटने के लिए गांव वालों ने लॉन्ग टर्म उपाय बताए है। नदी के किनारे किनारे प्रोडेक्शन वॉल बनाने की बात कही है। उसका प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

जिले के बांधों से पानी छोड़ने की सूचना गांव वालों को पहले नहीं देने के सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बांधों के गेट खोलने के बाद गांव में सूचना दी गई। इसमें कम्युनिकेशन गैप दिख रहा है। गांव वालों ने भी बताया कि बांधों के गेट खोलने की सूचना कुछ गांवों में दी गई कुछ में नहीं दी गई। बाढ़ आपदा आती है तो सबको मिलकर काम करना है। नगर निगम तत्परता से इस पर काम करें।

कार्यशैली बदलें, संवेदनशीलता के साथ जनता की समस्याओं का निराकरण करें: साय

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में बोले मुख्यमंत्री - पूरी पारदर्शिता से अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में दो दिवसीय कलेक्टर कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहा कि बीते 9 महीने में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी के अनुरूप प्रदेश को संवारने की दिशा में प्रयास किया गया है, किन्तु विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने के लिए हम सबको और अधिक कठिन परिश्रम करना होगा। उन्होंने कलेक्टरों से कहा कि शासन की योजनाएं पूरी पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित की जाए और इसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी फ्लैगशिप योजनाओं में सैचुरेशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य करें। उन्होंने कुछ जिलों में आम जनता और स्कूली छात्रों से शासकीय अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार पर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और सहृदयता के साथ आम जनता की समस्याओं को सुने और उसका यथासंभव शीघ्र निराकरण करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों की भाषा-शैली मर्यादित होनी चाहिए। उन्होंने कलेक्टरों को जनसामान्य से संयमित लहजे में बातचीत करने की हिदायत दी और कहा कि यदि आपके अधीनस्थ अधिकारी भाषा संयम न रखें, तो उन पर तत्काल सख्त कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से कहा कि स्थानीय स्तर की समस्याएं वहीं निपटे, छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर लोगों को राजधानी न आना पड़े। इस बात का ध्यान जिला प्रशासन को रखना चाहिए। जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान में लाई गई जन समस्याओं के त्वरित निदान के लिए प्रभावी कदम उठाएं जाएं। मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान साफ तौर पर कहा कि इस विभाग का आम लोगों और किसानों से ज्यादा वास्ता है। राजस्व के प्रकरणों का निराकरण बिना किसी लेट-लतीफी के किए जाने से शासन-प्रशासन की छबि बेहतर होती है। उन्होंने अधिकारियों को जनसामान्य की भूमि संबंधी छोटी-छोटी त्रुटियों एवं समस्याओं का निदान पूरी संवेदनशीलता के साथ समय-सीमा में करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सारंगढ़-बिलाईगढ़, बस्तर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में राजस्व मामलों के निराकरण की धीमी गति पर अप्रसन्नता जताई। उन्होंने जिलेवार कलेक्टरों से अविवादित और विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, त्रुटि सुधार, डायवर्सन, असर्वेक्षित ग्रामों की जानकारी, नक्शा बटांकन की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में ऐसे जिले जिनकी प्रगति 70 प्रतिशत से कम है, उन्हें इस मामले में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। विवादित बटवारा के प्रकरण 6 माह से ज्यादा लंबित न हो। सीमांकन के प्रकरणों को भी तेजी से निराकृत किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सभी कमिश्नरों को अधीनस्थ जिलों का नियमित दौरा कर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को प्रधानमंत्री जी ने अभी पीएम आवास के अंतर्गत 8 लाख 46 हजार 931 आवासों को स्वीकृति दी है। पूर्ववर्ती सरकार के दौरान पीएम आवास का काम काफी पिछड़ गया था। हमें तेजी से इस पर काम करना है। यह सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। इसके साथ ही हमने चिन्हांकित किये गये लगभग 47 हजार आवासहीन परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास देने का निर्णय भी लिया है। इस पर भी जुट कर काम करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्वच्छता सर्वे अभी चल रहा है। छत्तीसगढ़ के गांव और ग्राम पंचायतें स्वच्छता सर्वे को सभी मानदंडों को पूरा करती हों, इस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत हैं। मनरेगा रोजगार सृजन का सबसे अच्छा माध्यम है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी अधोसंरचनाएं तैयार करें। मनरेगा में भुगतान संबंधी दिक्कतों का समाधान करें। मुख्यमंत्री ने मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन कम होने पर बस्तर कलेक्टर पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कलेक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्वसहायता समूहों को बढ़ावा देने के साथ ही ट्रेनिंग, बैंक लिंकेज आदि की व्यवस्था पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पंचायतों का व्यापक निरीक्षण करने, वहां की समस्याओं को हल करने के निर्देश दिए। अमृत सरोवर योजना को जन अभियान का स्वरूप देने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों का तेजी से निर्माण कराए जाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है। 15 सितम्बर को प्रधानमंत्री जी द्वारा पहली किश्त जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल विकास योजना के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की और खैरागढ़, सारंगढ़, सक्ती, रायगढ़ जिलों की शून्य प्रगति पर नाराजगी जताई और कहा कि यह स्थिति ठीक नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा के दौरान गरियाबंद जिले के सूपेबेड़ा में किडनी की बीमारी की रोकथाम के लिए प्रभावी उपाय करने और आवश्यकतानुसार दिल्ली से विशेषज्ञ बुलाकर सेवाएं लेने की बात कही। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम का सभी जिलों में संचालन तथा रोगियों को लाभ सुनिश्चित करने, आगामी 6 माह में शत प्रतिशत आयुष्मान पंजीयन करने, पीएम जनऔषधि केंद्रों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने टीबी उन्मूलन के तहत किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में रायपुर और बिलासपुर जिले में बेहतर स्थिति की सराहना की। उन्होंने अन्य जिलों को भी टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए सरस्वती सायकल योजना के वितरण में कुछ जिलों में हुई लेट-लतीफी को लेकर अप्रसन्नता जताई। उन्होंने कलेक्टरों को स्पष्ट तौर पर कहा कि सायकल का वितरण शिक्षा सत्र शुरू होते ही सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सुकमा एवं बलरामपुर जिले में साइकिल वितरण अब तक न होने पर की स्थिति को देखते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आदिम जाति विकास विभाग की समीक्षा के दौरान हितग्राहियों को प्रधानमंत्री जन मन योजना का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने पर जोर दिया। उन्होंने कबीरधाम जिले में वन अधिकार पट्टा के कार्य में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया और जिन जिलों में डिजिटलाइजेशन का कार्य 80 प्रतिशत से कम है, वहां तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आश्रम एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा और कलेक्टरों को स्वयं निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही, छात्रावासों में भोजन मेन्यू के अनुसार उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस विभाग में भर्ती, एसआई समेत कई पदों के लिए वित्त विभाग ने दी मंजूरी

रायपुर। बचपन से खाकी वर्दी पहने की चाह रखने वाले युवकों का सपना पूरा होने वाला है। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में बंपर भर्ती निकली है। युवाओं को पुलिस विभाग में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर है। सूबेदार और एसआई समेत कई पदों पर बंपर भर्ती होगी। इसके लिए वित्त विभाग ने मंजूरी दे दी है। पुलिस विभाग में रिक्त पदों की भर्ती के लिए वित्त विभाग की ओर से 341 पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें सर्वाधिक 278 पद सब इंस्पेक्टर के हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस बल में भर्ती के प्रस्ताव को वित्त विभाग ने हरी झंडी दे दी है। पुलिस विभाग में नौकरी की राह देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। उनका सपना पूरा हो सकता है। मिली जानकारी के अनुसार, स्वीकृत पदों में 19 सूबेदार, 278 उप निरीक्षक, 11 उप निरीक्षक (विशेष शाखा), 14 प्लाटून कमाण्डर, 4 उप निरीक्षक (अंगुल-चिन्ह), 1 उप निरीक्षक (प्रश्नाधीन दस्तावेज), 5 उप निरीक्षक (कम्प्यूटर), और 9 उप निरीक्षक (साइबर क्राइम) शामिल हैं। इन रिक्तियों से छत्तीसगढ़ पुलिस बल की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, जिससे कानून व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। साथ ही, युवाओं को स्थिर और सम्मानजनक करियर के अवसर मिलेंगे। भर्ती की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

सामूहिक मुंडन करवा रहे सब इंस्पेक्टर भर्ती के अभ्यर्थियों को पुलिस ने खदेड़ा

रायपुर। सामूहिक मुंडन करवाकर विरोध कर

रहे सब इंस्पेक्टर भर्ती के अभ्यर्थियों को पुलिस ने तेलीबांधा जलाशय के पास से खदेड़ा। उसके बाद सभी अभ्यर्थी नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पहुंचे जहां उन्होंने जमकर नारेबाजी करते हुए फिर से अपना विरोध जताया। इससे पहले युवकों ने मुंडन कराया और युवतियों ने प्रतिकात्मक रूप से अपनी चोटी का सिरा कटवाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अभ्यार्थियों ने कहा कि उनकी अभिभावक सरकार है जो मर गई है इसलिए यह कर रहे हैं। अब तक 15 अभ्यर्थियों ने मुंडन करा लिया है। ये लोग तेलीबांधा तालाब में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2018 रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर मुंडन करवा रहे हैं। सूची जारी करने की तारीख नहीं मिलने पर युवतियां भी मुंडन करवाएंगी।

प्रदेश में दुर्ग-भिलाई-रायपुर रैपिड ट्रांजिट कॉरिडोर की संभावना तलाशी जाएगी

रायपुर/नई दिल्ली। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने बुधवार को निर्माण भवन, नई दिल्ली में हुई बैठक में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के ओएसडी (शहरी परिवहन) श्री जयदीप कुमार को छत्तीसगढ़ राज्य में मास रैपिड ट्रांजिट कॉरिडोर विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान, मंत्री ने मेट्रो, मोनोरेल, रैपिड रेल और केबल कारों सहित विभिन्न परिवहन विकल्पों का पता लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पहल का उ?द्देश्य छत्तीसगढ़ के तीन प्रमुख औ?द्योगिक शहरों दुर्ग, भिलाई और रायपुर के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाना है। मंत्री ने इन तीन शहरों के लिए व्यापक गतिशीलता योजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए।

क्लासरूम में कैसे पहुंची बीयर की बोतल : हाईकोर्ट

■ सरकारी स्कूल में छात्राओं की बीयर पार्टी

बिलासपुर। हाई कोर्ट ने मस्तूरी क्षेत्र के भटचौरा गांव के हायर सेकेंडरी स्कूल में हुई छात्राओं की बीयर पार्टी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने इस मामले पर गहरी नाराजगी जताई है और सवाल उठाए हैं कि स्कूल के क्लासरूम में बीयर की बोतल कैसे पहुंची। कोर्ट ने स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा पर गंभीरता से सवाल उठाते हुए शिक्षा विभाग को इस मामले की जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी।

बता दें कि मामला मस्तूरी क्षेत्र के भटचौरा हायर सेकेंडरी स्कूल का है।

29 जुलाई को में स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा का जन्मदिन दिन था। इस पर छात्राओं ने सेलिब्रेट किया। केक काटा गया, फिर कोल्ड-ड्रिंक्स और बीयर भी पी गई। छात्राओं ने इसका वीडियो-फोटो बनाया और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया, जो वायरल हो गया। वायरल तस्वीर में छात्राओं के हाथों में समोसे और स्नैक्स के साथ कोल्ड ड्रिंक, डिस्पोजल और बीयर की बोतल भी नजर आ रही है। जैसे ही सोशल मीडिया पर तस्वीरें सामने आई हंगामा शुरू हो गया। स्थानीय लोगों के साथ महिलाएं भी स्कूल पहुंच गईं। उन्होंने स्कूल परिसर में हंगामा कर दिया। उन्होंने दोषी प्राचार्य और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि, वो अपने बच्चों को स्कूल पढ़ने के लिए भेजती हैं। लेकिन, यहां उनके संरक्षण में बच्चियां क्लास रूम में बीयर पार्टी कर रही हैं।

मामला बढ़ता देख जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भेजकर जांच और कार्रवाई करने की मांग की। इसके बाद डीईओ टीआर साहू के निर्देश पर सोमवार को सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी और अन्य अधिकारी स्कूल पहुंचे। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच टीम गठित की थी।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल रामेन डेका से की मुलाकात

■ कानून व्यवस्था के मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेने की रखी मांग

रायपुर। कांग्रेस का 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में राजभवन पहुंचा। प्रतिनिधिमडंल ने राज्यपाल को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ज्ञापन सौंपकर तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। इस दौरान प्रतिनिधिमण्डल में दीपक बैज के साथ पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, धनेंद्र साहू, अमितेष शुक्ल शिव डहरिया, सहित कई नेता शामिल थे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्यपाल से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में दोषियों

को छोड़कर निर्दोषों को गिरफ्तार किया जा रहा है। सतनामी समाज के गरीब लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। दुष्कर्म की घटनाओं को रोक पाने में भी सरकार नाकाम साबित हो रही है। लूट, चोरी और हत्या की घटनाएं भी बढ़ रही है। राज्यपाल से हमारी मांग है कि वो सरकार को इन मामलों पर निर्देशित करें।

तहसीलदार को सस्पेंड करने का विरोध

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा सकते हैं प्रदेशभर के तहसीलदार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में तहसीलदार को सस्पेंड करने पर प्रदेशभर के तहसीलदार भड़क गए हैं। राज्यभर के तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने बैठक कर कलेक्टर नम्रता गांधी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करते हुए उनको हटाए जाने की मांग को लेकर आंदोलन करने का फैसला लिया है। तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के संघ छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की वीसी के जरिए हुई बैठक में लिए गए फैसले की सूचना देने कुछ देर में संघ का प्रतिनिधिमंडल राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा से मुलाकात करेंगे।

बता दें कि रायपुर कमिश्नर महादेव कावरे ने 11 सितंबर को बेलरगांव में पदस्थ तहसीलदार अनुज पटेल को निलंबित किया था। मुख्यालय से बाहर रहने और शासकीय कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर यह कार्रवाई की गई थी। कमिश्नर महादेव कावरे की ओर से किए गए निलंबन आदेश में

कलेक्टर धमतरी नम्रता गांधी से मिले प्रतिवेदन का जिक्र है। इस निलंबन पर ही तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का संघ कलेक्टर के खिलाफ नाराज और आक्रोशित है। तहसीलदार संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीलमणि दुबे ने बताया कि हमारे तहसीलदार अनुज पटेल ने आंखों के ऑपरेशन के लिए एसडीएम को आवेदन देकर तीन दिनों का अवकाश लिया था। ऑपरेशन के लिए तीन दिनों के अवकाश पर जाने की सूचना कलेक्टर धमतरी को भी दूरभाष पर दी गई थी। इसके बावजूद तहसीलदार को निलंबित करने का प्रस्ताव भेजा गया। संघ की यह भी दलील है कि निलंबन के पहले ना तो कोई नोटिस दिया गया और ना ही पक्ष सुना गया, सीधे सस्पेंड कर दिया गया।

सरकारी डॉक्टरों के वेतन में 46 फीसदी बढ़ोत्तरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा फैसला लेते हुए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के डॉक्टरों के वेतन में 46 फीसदी बढ़त्तरी की है। स्वास्थ्य विभाग ने सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी), सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक के वेतन में वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 1 सितंबर 2024 से पूरे राज्य के शासकीय मेडिकल कालेजों के लिए प्रभावी होगा।

वृद्धि को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। राज्य शासन स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही है और जो भी सुविधा देनी होगी, वह दी जाएगी। हम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे हैं। श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पढ़ने वाले भावी डाक्टरों का ये अधिकार है कि उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाला शिक्षक और शिक्षा मिले। वेतन वृद्धि का ये आदेश इसीलिए जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के चिकित्सा

शिक्षा विभाग से जारी आदेश के मुताबिक, गैर अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रूपए कर दिया गया है। इसी तरह से सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 35 हजार से 1 लाख 55 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख और सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रूपए से बढ़ाकर 75 हजार रूपए कर दिया गया है। आदेश के मुताबिक, अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 90 हजार रूपए से बढ़ाकर 2 लाख 25 हजार रूपए कर दिया गया है। इसी तरह से सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से 1 लाख 85 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख 25 हजार और सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक का वेतन 65 हजार रूपए से 95 हजार रूपए कर दिया गया है।

सीएम साय ने ओडिशा के मुख्यमंत्री का जताया आभार

हीराकुंड डैम से पानी छोड़ने के आदेश से 2 दर्जन गांव डूबने से बचे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश की वजह से नदी नाले उफान पर हैं। बढ़ की स्थिति बनी हुई है। वहीं भारी बारिश की वजह से हर साल की तरह इस साल भी हीराकुंड डैम में जलभराव हो गया था। आसपास के क्षेत्रों में बढ़ आने की संभावना थी। इससे लगभग दो दर्जन गांव डूबने की आशंका थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हीराकुंड डैम से आवश्यक मात्रा में पानी छोड़ने का आदेश दिया। इस पर सीएम साय ने ओडिशा की भाजपा सरकार का आभार जताया है।

इस पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री साय ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा कि प्रतिवर्ष भारी बारिश की वजह से हीराकुंड डैम के डुबान क्षेत्र में आने के कारण छत्तीसगढ़ के लगभग दो दर्जन से ज्यादा गांवों को बाढ़ की विपदा झेलनी पड़ती थी। इस वर्ष भी विगत कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से बाढ़ की आशंका के मद्देनजर मेरे आग्रह पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दोनों प्रदेशों के हितों को ध्यान में रखते हुए हीराकुंड डैम से आवश्यक मात्रा में पानी छोड़ने का आदेश दे कर दो दर्जन से ज्यादा गांवों को जन-धन की हानि से बचाया है। उन्होंने कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

नकली शराब बनाने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

■ पुलिस ने 12 आरोपियों को किया गिरफ्तार

खैरागढ़। खैरागढ़ जिला पुलिस ने नकली शराब बनाने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। जिले में अब तक नक़ली शराब फैक्ट्री चलाने वाले गिरोह के 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं मामले में अब तक 16 लाख से भी ज्यादा रुपए की मशीन और विभिन्न प्रकार के उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

खैरागढ़ पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने बताया कि छुईखदान के ग्राम खूँटेली कला निवासी जयकरण गुरुपंच, विचारपुर के अपने साथी नरसिंह वर्मा और उदयपुर निवासी विनोद सोनी के साथ मिलकर कई दिनों से नकली

शराब बनाने का कारोबार चला रहे थे। कारोबार में संलिप्त सात आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी, जिसके बाद नकली शराब बनाने के इस अन्तर्राज्यीय अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है।

नकली शराब से जुड़े इस अवैध कारोबार के तार नागपुर महाराष्ट्र से जुड़े हुए हैं। नागपुर निवासी रोहित बाबर और मोहम्मद शमीम, खूँटेलीकला के जय नारायण गुरुपंच को हुबहू असली शराब के जैसे स्टीकर, होलोग्राम और ढक्कन उपलब्ध कराते थे, जिसके बाद ये आरोपी छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में थाना परपोड़ी क्षेत्र अंतर्गत एक पोल्टी फ़ार्म में स्प्रिट और केमिकल के मिश्रण से नकली देशी सफेद शराब बनाया करते थे।

सिंटेक्स की टंकी में नक़ली शराब भरकर आरोपी दुर्ग जिले के ग्राम रौंदा स्थित एक निजी फ़ार्म हाउस में लाकर बॉटलिंग किया करते थे। जिसके बाद कुछ कोचिया और अपने सेल्समैन की मदद से विभिन्न जिलों के ग्रामीण इलाक़ों में इस नक़ली शराब को खपाया जाता था। अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बारह आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद अधीक्षक ने गिरोह से जुड़े और भी आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही है।

रेत माफिया पर कार्रवाई के दौरान जब्त चेन माउंटेन चोरी

गरियाबंद। जिले के कुटेना रेत घाट में एक बार फिर रेत माफियाओं की दबंगई का मामला सामने आया है। 10 सितंबर को अवैध रेत खनन की शिकायत पर एसडीएम विशाल महाराणा के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की टीम खदान पहुंची और कार्रवाई करते हुए चेन माउंटेन को सील कर दिया था, लेकिन उसी रात को ही माफिया सील तोड़कर चेन माउंटेन ले गए। वारदात के 48 घंटे के भीतर आरोपी कोपुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

एसडीएम की सूचना पर 11 सितंबर को पांडुका पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया था। वारदात के 48 घंटे भीतर पुलिस ने महासमुंद के महादेव घाट मुर्की से चेन माउंटेन जब्त कर आरोपी ललित सिंह को आज जेल भेजा। पाण्डुका थाना प्रभारी पवन वर्मा ने बताया कि इस मामले में दूसरे आरोपी सुरेंद्र साहू की पुलिस पतासाजी कर रही है। जल्द ही उसे भी पकड़ा जाएगा। दो साल पहले कुटेना घाट में रेत माफियाओं ने माइनिंग टीम पर हमला कर उनकी

गाड़ियां तोड़ दी थी। इसके बाद माफियाओं का हौसला बुलंद था। 10 सितंबर को जनदर्शन में कुटेना के ग्रामीणों ने कुटेना के एक व्यक्ति समेत धमतरी के माफिया का नाम उल्लेख कर अवैध खनन की शिकायत की थी। इस पर जिला प्रशासन ने त्वरित एक्शन लेते हुए कार्यवाही का निर्देश जारी किया था। इसके बाद टीम ने कुटेना घाट पहुंचकर कार्रवाई की थी।गरियाबंद जिले के मोहेरा घाट हो या फिर कुटेना, पैरी नदी के कई घाट में धमतरी जिले के आधा दर्जन से ज्यादा माफिया सक्रिय है। कुछ लोग राजनीति पहुंच तो कुछ तगड़ी सेटिंग से अवैध खनन व परिवहन को अंजाम दे रहे हैं।

हरियाणा में अपनों ने बढ़ाई भाजपा की मुश्किल

राज कुमार सिंह

टिकट वितरण के समय राजनीतिक दलों में असंतोष नया नहीं, लेकिन हरियाणा भाजपा में जो कुछ हो रहा है, उसे असंतोष नहीं, बगावत कहना सही होगा। जैसे-जैसे प्रत्याशियों की लिस्ट आती गईं, बगावत के स्वर मुखर होते गए। बेशक, दस साल बाद सत्ता में वापसी की आस लगा रही कांग्रेस को भी इससे भाजपा पर तंज करने का मौका मिल गया है, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि खुद कांग्रेस भी हरियाणा में लंबे वक्त से गुटबाजी का शिकार रही है और वह इस बार प्रत्याशियों की घोषणा बहुत सावधानी के साथ कर रही है। हरियाणा भाजपा आज जिस तरह की बगावत का सामना कर रही है, शायद ही यहां उसके साथ पहले ऐसा हुआ हो। इसकी वजह भी है। चार मंत्रियों समेत 15 विधायकों के टिकट काटना सामान्य तो हरगिज नहीं है। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में भाजपा को पिछली बार 40 सीटें मिली थीं। यानी एक-तिहाई से भी ज्यादा विधायकों के टिकट काट दिए गए। लेकिन यह बात भी सही है कि ऐसी ही रणनीति दूसरे राज्यों में उसके लिए कारगर साबित हो चुकी है। यह सत्ता विरोधी भावना कम करने के लिए ही किया गया होगा। दस साल के शासन के बाद लोगों में सत्ता विरोधी भावना होना अस्वाभाविक नहीं, पर सिर्फ चेहरे बदलने से उसकी काट हो जाएगी, यह भी मानकर नहीं चला जा सकता। सत्ता विरोधी भावना सरकार के विरुद्ध होती है, लेकिन उसका स्थानीय प्रतिनिधि होने के नाते सबसे ज्यादा खामियाजा विधायक को भुगतना पड़ता है। मतदाता तो बेहतर काम की अपेक्षा रखते ही हैं, कार्यकर्ता भी विधायक पर अपने कामों के लिए दबाव बनाते हैं। जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं तो नाराजगी की कीमत विधायक को चुकानी पड़ती है ङ्क कभी टिकट कटने के रूप में तो कभी चुनावी हार के रूप में। टिकट कटने पर निराशा में आरोप भी लगाए जाते हैं और राजनीतिक विकल्प भी खोजे जाते हैं, पर कैमरे पर रोते हुए दिखना नया ट्रेंड है। अन्य दल से या निर्दलीय चुनाव लड़ने पर सहानुभूति कितनी मिलेगी, चुनाव परिणाम बताएंगे, लेकिन पुराने नेताओं की अनदेखी का संदेश तो गया ही है। ऐसे फैसलों का बचाव करना तब ज्यादा मुश्किल होता है, जब पार्टी अन्य दलों या क्षेत्रों से लाकर उम्मीदवार थोप देती है। मसलन, स्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल अपने दायित्व का निर्वाह ठीक से नहीं कर रहे थे, तो उन्हें पहले ही मंत्रिमंडल से हटा दिया जाना चाहिए था। मगर उनके स्वास्थ्य निदेशक को नौकरी छोड़ते ही उनकी जगह टिकट दे देना कैसे सही ठहराया जा सकता है? ऐसे ही निर्दलीय विधायक रणजीत सिंह चौटाला को पहले मनोहर लाल और नायब सिंह सैनी सरकार में मंत्री बनाया गया। फिर लोकसभा चुनाव में हिसार से भाजपा उम्मीदवार बना दिया गया, लेकिन हारने के बाद अब उनकी परंपरागत सीट से विधानसभा टिकट लायक भी नहीं समझा गया। विधायक मोहन लाल बड़ौली को सोनीपत से लोकसभा चुनाव लड़वाया गया। हारने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी बना दिया गया, लेकिन अब वह विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह का दस साल में चौथी बार सीट बदलना भी चर्चा का विषय है। आरोपों के चलते सोनीपत के सांसद रमेश कौशिक का टिकट काटा गया था, अब गन्नौर से उनके भाई को टिकट दे दिया गया है। सवाल उठ रहा है कि क्या कांग्रेस से भाजपा में आए रमेश कौशिक के भाई से बेहतर कोई पुराना निष्ठावान नेता पार्टी में नहीं था? दलबदलुओं पर दांव लगाने के आरोप तो भाजपा पर 2014 के बाद से लगातार बढ़ते गए हैं, इन विधानसभा चुनावों में परिवारवाद से भी उसने कोई परहेज नहीं किया। दो महीने पहले कांग्रेस से आई किरण चौधरी को राज्यसभा भेजने के बाद उनकी बेटी श्रुति चौधरी को भी तोशाम से टिकट दे दिया गया है। इस बार टिकट तो केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती को भी मिल गया, लेकिन लगातार उपेक्षा से उनकी पीड़ा अब मुखर होने लगी है। तीसरी बार केंद्र में मोदी सरकार बनने पर इसी साल जून में फिर राज्य मंत्री बनाए जाने पर इंद्रजीत ने अपना दर्द बयां किया था कि वह शायद केंद्र में सबसे लंबे समय तक राज्य मंत्री रहने का रेकॉर्ड बना चुके हैं। ध्यान रहे कि 2014 में मोदी की लहर में कमल थामने से पहले राव इंद्रजीत सिंह कांग्रेस सरकार में भी केंद्र में राज्य मंत्री रहे थे। अहीरवाल इलाके के सबसे बड़े नेता माने जाने वाले इंद्रजीत का सपना मुख्यमंत्री बनना है।

कश्मीरी की सोच बताएंगे विधानसभा चुनाव

अशोक मधुप

जम्मू-कश्मीर विधानसभा लिए 18 सितंबर से एक अक्टूबर 2024 तक तीन चरणों में चुनाव होने हैं। नतीजे आठ अक्टूबर 2024 को घोषित किए जाएंगे। इन चुनाव के परिणाम बताएंगे कि कश्मीर की जनता क्या चाहती है। आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मूङ्क्षकश्मीर में बडी तादाद में विकास हुआ। शांति लौटी। रोज की होने वाली पत्थरबाजी से जम्मू-कश्मीर की मुक्ति मिली। सिनेमा हाल खुल गए। पर्यटक आने लगे। मुहर्रम के जुलूस निकलने लगे। कश्मीर में बहुत कुछ बदल गया है, इसके बावजूद देखना यह है कि कश्मीर का मतदाता क्या इस विकास को पसंद करता है,या उसे मजहबी कट्टरता ही मंजूर है।

जम्मू-कश्मीर में कुल 114 विधानसभा सीटें हैं लेकिन राज्य में विधानसभा सीटों के डिलिमिटेशन के बाद चुनाव केवल 90 सीटों पर ही होंगे। इसकी भी वजह है कि 24 सीटें पीओके यानि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लिए हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तनों के कारण इनमें से केवल 90 सीटों के लिए चुनाव होना तय है। वर्ष 2019 में जब जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के जरिए जब आर्टिकल 370 को हटाया गया तो राज्य में चुनावी सीटों की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू की। मार्च 2020 में एक परिसीमन आयोग की स्थापना की गई। इसकी अंतिम रिपोर्ट मई 2022 में जारी की गई। इस रिपोर्ट ने विधानसभा सीटों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 कर दी। इसमें छह सीटें जम्मू और एक कश्मीर में बढ़ी है।114 सीटों में 24 सीटें पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर के क्षेत्रों के लिए आरक्षित हैं, इसका अर्थ है कि उन पर चुनाव नहीं लड़ा जा सकता है, इसलिए, चुनाव के लिए उपलब्ध सीटों की प्रभावी संख्या 90 है, जम्मू संभाग में 43 और कश्मीर संभाग में 47, राज्य का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद यहां पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव दस साल पहले नवंबर-दिसंबर 2014 में हुए थे। चुनाव के बाद जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई। इसमें मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद का सात जनवरी 2016 को निधन हो गया। राज्यपाल शासन लगा पर कम समय के लिए लगा। फिर महबूबा मुफ्ती ने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए रूप में शपथ ली। पिछली राज्य सरकार से जून 2018 में भाजपा ने पीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन लागू हो गया। नवंबर 2018 में, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने राज्य विधानसभा भंग कर दी। 20 दिसंबर 2018 को राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।

भाजपा की ओर से हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी घोषणापत्र जारी किया। इसमें आतंकवाद के सफाए और हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण से लेकर कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित वापसी और पुनर्वास तक, भाजपा ने कई प्रमुख वादे किए हैं। अमित शाह ने कहा कि यह क्षेत्र में विकास, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पार्टी के वादों और योजनाओं के अनुरूप है।

नए जम्मू और कश्मीर% के लिए 25 वादों में से, भाजपा ने %जम्मू और कश्मीर को राष्ट्र के विकास और प्रगति में अग्रणी बनाने% के लिए आतंकवाद और अलगाववाद को खत्म करने की कसम खाई। कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा देने और अनुच्छेद 370 को हटाने से पहले की राजनीतिक स्थिति बहाल करने का भी वादा किया है। इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शंकराचार्य पहाड़ी का नाम बदलकर तख्त-ए-सुलेमान और हरि पर्वत का नाम बदलकर कोह-ए-मरान करने की बात कही है। इसे कश्मीर की मुस्लिम बहुल आबादी की भावनाओं को भुनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के चुनाव के विभिन्न दलों के स्थानीय नेता तो चुनाव प्रचार में उतर ही चुके हैं। बड़ी पार्टियों के राष्ट्रीय नेताओं की भी सभांए शुरू हो गई हैं। जनसंपर्क अभियान चल रहा है। रोड शो निकाले जा रहे हैं। घर-घर जाकर नेता लोगों से वोट मांग रहे हैं। इस बार का विधानसभा चुनाव इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि कश्मीर घाटी में परिवारवादी दलों के दिन अब खत्म नजर आ रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर के बुनियादी ढांचे का इस तरह विकास किया गया है कि पिछले दिनों श्रीनगर में जी-20 देशों की बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम भी श्रीनगर में ही आयोजित किया गया। इसमें स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया।

हालात तो ये बता रहे हैं कि कश्मीर बदल रहा है किंतु जम्मू-कश्मीर की बारामुला सीट लोकसभा सीट से आतंकवादियों को फंडिग करने के आरोप में जेल में बंद निर्दलीय उम्मीदवार अब्दुल रशीद शेख़ की जीत कुछ और ही इशारा कर रही है। उन्होंने जेल में रहते हुए जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ़्रेंस उमर अब्दुल्ला को दो लाख से भी ज़्यादा वोटों से शिकस्त दी है। बारामुला सीट पर रशीद को चार लाख 72 हज़ार वोट मिले जबकि उमर अब्दुल्ला को दो लाख 68 हज़ार वोट मिले। तीसरे स्थान पर रहे जम्मू-कश्मीर पीपल्स कॉन्फ़्रेंस के सज्जाद लोन। उन्हें एक लाख 73 हज़ार वोट मिले। अब्दुल रशीद शेख़ के स्थानीय समर्थक अब्दुल माजिद इस जीत पर बीबीसी से कहते हैं कि साल 2019 के बाद जो कुछ भी कश्मीर में हुआ, इंजीनियर रशीद की जीत उसी बात का जवाब है। उनका कहना था कि कश्मीर के युवाओं ने जिस तरह इंजीनियर रशीद का समर्थन किया है, वो इस बात को दर्शाता है कि नई पीढ़ी नए चेहरों को ढूंढ रही है और पारंपरिक राजनीति से तंग आ चुकी हैं। इंजीनियर रशीद को %आतंकवाद की फ़ंडिंग% के आरोप में यूएपीए के तहत साल 2019 में गिरफ़्तार किया गया था और इस समय वो दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं। रशीद अवामी इत्तेहाद पार्टी के संस्थापकों में से एक हैं1 2019 में भी उन्होंने बारामूला से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था और तीसरे नंबर पर रहे थे। इस बार उन्होंने बतौर स्वतंत्र उम्मीदवार चुनाव लड़ा था। जेल जाने से पहले इंजीनियर रशीद शांतिपूर्ण तरीक़े से कश्मीर समस्या को हल करने की वकालत करते रहे हैं। इंजीनियर रशीद जम्मू कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाने के सख़्त ख़िलाफ़ थे और इस मुद्दे को लेकर वह सड़कों पर भी उतरे थे। उन्होंने इसके विरोध में कई धरने भी दिए हैं। सरकार का दावा है कि 370 हटाने के बाद कश्मीर विकास कि राह पर आगे बढ़ रहा है और जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा भी बार-बार %नए कश्मीर% की बात कर रहे हैं। लेकिन कश्मीर में कुछ लोग इसे %जबरन ख़ामोशी% भी कहते हैं। उनका आरोप है कि किसी को खुलकर बात करने नहीं दी जाती है।

इंजीनियर रशीद को चुनाव प्रचार के लिए जमानत मिल गई है। देखिए क्या होता है। अमेरिका और मित्र देशों ने 20 साल अफगानिस्तान को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए जमकर निवेश किया था, किंतु एक झटके में वह इस्लाम के रास्ते पर चला गया। यही डर है। अभी तो कश्मीर में फौज है। देखना यह है कि बिना फौज के भी कश्मीर का रूख ये ही रहता है, या वह फिर पुराने आतंकवाद के रास्ते पर लौटता है। हालांकि हम भारतीय आशावादी है। आशा करते हैं कि सब ठीक होगा। कश्मीरी नागरिक और युवा नए कश्मीर, विकसित कश्मीर को स्वीकार कर विकास का रास्ता अपनाएगें।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रमाण-संग्रहाध्यायः (दूसरा अध्याय)

गतांक से आगे...

(हिन्दी नवरत्न पृष्ठ 305)- (9) कैटभ सो नरकासुर सो पल में नधु सो मुरसो जेहि मारयो । लोक चतुरदस रछक केशव पूरन वेद पुरान उचारयो।। श्री कमला-कुच-कुंकुम-मंडित पंडित वेद पुरान उचारयो । सो कन माँगन को बलि पै करतारहुने करतार पसारयो।। (मि0 ब0 वि0 भाग 1 पृ0 276)

कबीर साहिब- (10) वेद पुराण किताब कुराना, नाना भांति बखानि। हिन्दू तुरक जैनी औ योगी, यह कल काहू न जानि।।

(बीजक शब्द 48 तुक 5)- (11) समरिति वेद पुराण पढ़ें सब, अनुभव भाव न दरसै । लोह हिरण्य होय धौं कैसे जो नहीं पारस परसै।।

(बीजक शब्द 14 तुक 3)- (12) पंडित वेद पुराण पढ़ें औ मौलाना पढ़े सो कुराना। कह कबीर वै नरक गये जिन हदम रामहिं ना जाना।।(बीजक शब्द 83 तुक 6)।

गुरु नानक जी- (आदि ग्रन्थ साहिब से) (13) वेद पुराण स्मृति बूझे मूल, सूक्ष्म में जाने स्थूल। जो वर्गों को दे उपदेश, नानक उस पंडित को सदा अदेश।।

(राग हौड़ी--वाणी सुखमणी-महल्ला 5 अष्टपदी 6 तुक 4) (14) सन्त सभा मिली करो बखान, स्मृति शास्त्र वेद पुराण।

(राग रामकली-महल्ला 5 शब्द 54 तुक 4) केशो गोपाल पण्डित सद्दियो, हरि हर कथा पढ़े पुराण जी ओ।

(राग रामकली-वाणीसद-पौड़ी 5) (15) वेद पुराण जासु गुण गावत, ताको नाम हिये में धारो। (राग गौड़ी महल्ला 6 शब्द 6 तुक 1) (16) सप्तद्वीप सप्तसागरां नवखण्ड चार वेद दशअष्ट पुराणा। हरि सबनां बिच बर्तदा हरि सबनां भाणा।

क्रमशः ...

देश की आजादी और शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान रहा स्वामी ब्रह्मानंद का

ब्रह्मानंद राजपूत

स्वामी ब्रह्मानंद का व्यक्तित्व महान था। उन्होंने समाज सुधार के लिए काफी कार्य किए। देश की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने जहां स्वयं को समर्पित कर कई आंदोलनों में जेल काटी। आजादी के बाद देश की राजनीति में भी उनका भावी योगदान रहा है। स्वामी जी ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही कार्य किए। समाज के लोगों को शिक्षा की ओर ध्यान देने का आहवान किया। स्वामी ब्रह्मानंद महाराज का जन्म 04 दिसंबर 1894 को उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले की राठ तहसील के बरहरा नामक गांव में साधारण किसान परिवार में हुआ था। स्वामी ब्रह्मानंद महाराज जी के पिता का नाम मातादीन लोधी तथा माता का नाम जशोदाबाई था। स्वामी ब्रह्मानंद के बचपन का नाम शिवदयाल था।

पंजाब के भटिंडा में स्वामी ब्रह्मानंद जी की महात्मा गाँधी जी से भेट हुई। गाँधी जी ने उनसे मिलकर कहा कि अगर आप जैसे 100 लोग आ जायें तो स्वतंत्रता अविलम्ब प्राप्त की जा सकती है। गीता रहस्य प्राप्त कर स्वामी ब्रह्मानंद ने पंजाब में अनेक हिंदी पाठशालाएं खुलवायीं और गौबध बंदी के लिए आंदोलन चलाये। इसी बीच स्वामी जी ने अनेक सामजिक कार्य किये 1956 में स्वामी ब्रह्मानंद को अखिल भारतीय साधु संतों के अधिवेशन में आजीवन सदस्य बनाया गया और उन्हें कार्यकारिणी में भी शामिल किया गया। इस अवसर पर देश के प्रथम राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी सम्मिलित हुए। स्वामी जी सन् 1921 में गाँधी जी के संपर्क में आकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। स्वतंत्रता आन्दोलन में भी स्वामी ब्रह्मानंद जी ने बढ चढकर हिस्सा लिया। 1928 में गाँधी जी स्वामी ब्रह्मानंद के प्रयासों से राठ पधारे। 1930 में स्वामी जी ने नमक आंदोलन में हिस्सा लिया। इस बीच उन्हें दो वर्ष का कारावास हुआ। उन्हें हमीरपुर, हरदोई और कानपूर कि जेलों में रखा गया। उन्हें पुनः फिर जेल जाना पड़ा। स्वामी ब्रह्मानंद जी ने पूरे उत्तर भारत में उन्होने अग्रेजों के खिलाफ लोगों में अलख जगाई। स्वतंत्रता आन्दोलन के समय स्वामी जी का नारा था उठो! वीरो उठो!! दासता की जंजीरों को तोड फेंको। उखाड़ फेंको इस शासन को एक साथ उठो आज भारत माता बलिदान चाहती है। उन्होने कहा था की दासता के जीवन से म्रत्यु कही श्रेयस्कर है। बरेली जेल में स्वामी ब्रह्मानंद की भेट पंडित जवाहर लाल नेहरू जी से हुई। जेल से छूटकर स्वामी ब्रह्मानंद शिक्षा प्रचार में जुट गए। 1942 में स्वामी जी को पुनः भारत छोडो आंदोलन में जेल जाना पड़ा। स्वामी जी ने सम्पूर्ण बुन्देलखंड में शिक्षा की अलख जगाई आज भी उनके नाम से हमीरपुर में डिग्री कॉलेज चल रहा है। जिसकी नीव स्वामी ब्रह्मानंद जी ने 1938 में ब्रह्मानंद विद्यालय के रूप में रखी। 1966 में गौहत्या निषेध आंदोलन में स्वामी ब्रह्मानंद ने 10-12 लाख लोगों के साथ संसद के सामने आंदोलन किया। गौहत्या निषेध आंदोलन में स्वामी ब्रह्मानंद को गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेज दिया गया। हमेशा गरीबों की लड़ाई लड़ने वाले बुन्देलखण्ड के मालवीय नाम से प्रख्यात, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, त्यागमूर्ति, सन्त प्रवर, परम पूज्य स्वामी ब्रह्मानंद जी 13 सितम्बर 1984 को ब्रह्मलीन हो गए।

खाड़ी देशों के साथ मजबूत होते रिश्ते

डॉ. धनंजय त्रिपाठी

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान की भारत यात्रा कई मायनों में बहुत अहम है। उन्होंने पिछले साल क्राउन प्रिंस का दायित्व संभाला है तथा भविष्य में वे संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति भी हो सकते हैं। यह उनकी पहली भारत यात्रा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हुई है। इस दौरे में अनेक महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। इसमें एक बड़ा समझौता परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को लेकर है। कुछ दिन पहले ही संयुक्त अरब अमीरात के पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कार्य पूरा हुआ है। यह अरब देशों में स्थापित होने वाला पहला ऐसा संयंत्र है। इस समझौते को इसलिए बहुत अहम माना जा रहा है क्योंकि इससे दोनों देशों के राजनीतिक और रणनीतिक संबंधों को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस दौरे में तेल और गैस को लेकर भी उल्लेखनीय समझौते हुए हैं, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद अहम हैं। अत्याधुनिक तकनीकों तथा क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। निवेश की कुछ परियोजनाओं पर भी समझौता हुआ है। क्राउन प्रिंस शेख खालिद की इस यात्रा की उपलब्धियों को बीते कुछ समय में संयुक्त अरब अमीरात के साथ हुए समझौतों के साथ रख कर देखा जाना चाहिए। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर सहमति बनी है। अमीरात भारत के सबसे बड़े निवेशक देशों में है।

साल 2022 में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान अमीरात और भारत के बीच एक व्यापक व्यापार समझौता हुआ था, जिसके तहत अमीरात ने भारत में दस वर्षों में सौ अरब डॉलर के निवेश का वादा किया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता भी है। इन प्रयासों से द्विपक्षीय व्यापार को बड़ी गति मिली है। साल 2022 में यह व्यापार 72 अरब डॉलर का था, जो 2023 में बढ़कर 84 अरब डॉलर हो गया। उल्लेखनीय है कि संयुक्त अरब अमीरात भारत के लिए पहला ऐसा देश है, जिसके साथ व्यापार और निवेश दोनों के संबंध में समझौते हैं। विभिन्न खाड़ी देशों की तरह अमीरात में भी बहुत बड़ी संख्या में भारत के लोग काम करते हैं। अमीरात ने यह हमेशा रेखांकित किया है कि उसके विकास में भारतीयों का अग्रणी योगदान रहा है। यह बात भी बड़े दिनों से चल रही है कि भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआइ को अमीरात में भी लागू किया जायेगा और वहां के स्थानीय एप के साथ उसे जोड़ा जायेगा। अपनी मुद्रा में कारोबार और यूपीआइ प्रणाली से वहां कार्यरत भारतीयों और भारतीय पर्यटकों को बहुत फायदा होगा तथा उन्हें भारत में अपनी कमाई भेजने में भी सहूलियत होगी।

अरब जगत में संयुक्त अरब अमीरात की बड़ी अहमियत है। वह वैश्विक व्यापार का एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट प्वाइंट है तथा उसका राजनीतिक प्रभाव भी है। उसके साथ भारत के गहराते संबंधों से यह इंगित होता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में, भारत के प्रभाव में भी ठोस बढ़ोतरी हो रही है। बीते वर्षों में उस क्षेत्र को लेकर भारत ने बहुआयामी रणनीति अपनायी है, जिसके तहत सऊदी अरब के साथ संबंधों में बेहतरी आयी है। पिछले साल जी-20 शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की राजकीय यात्रा भी हुई थी। जब अगस्त 2019 में भारतीय संसद ने अनुच्छेद 370 को लेकर संशोधन किया था, तब पाकिस्तान ने सऊदी अरब से इसका विरोध करने का अनुरोध किया था, लेकिन उस निवेदन को सऊदी अरब ने ठुकरा दिया था। पश्चिम एशिया में संबंध बेहतर बनाने में भारत को सफलता मिली है, उससे न केवल उस क्षेत्र में उसके प्रभाव में बढ़ोतरी हुई है, बल्कि विश्व राजनीति में भी उसका महत्व बढ़ा है। कतर के साथ भी हमारा बड़ा ऊर्जा व्यापार है। कुछ समय पहले वहां गिरफ्तार भारतीयों को भी मुक्त कराने में सफलता मिली थी। कतर में भी भारतीय अप्रवासियों की बहुत बड़ी संख्या है। साथ ही, दोहा हवाई मार्ग का एक अहम पड़ाव है। बहरीन से भी सहयोग बढ़ रहा है।

जब शेख खालिद भारत में थे, तब भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर सऊदी अरब के दौरे पर थे। वहां वे खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों के साथ साझा बैठक के लिए गये थे। यह पहला अवसर है, जब खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भारतीय विदेश मंत्री की संयुक्त बैठक हुई है। अब यह बैठक आगे नियमित रूप से होती रहेगी। यह भी पश्चिम एशिया से गहरे होते रिश्तों का एक उदाहरण है। खाड़ी देशों पर भारत की ऊर्जा निर्भरता है। हमने देखा है कि भू-राजनीतिक या अन्य कारणों से जब आपूर्ति बाधित होती है या तेल एवं गैस के दामों में वृद्धि होती है, तब भारत के लिए मुश्किल स्थिति पैदा हो जाती है। जैसा पहले कहा गया है, इन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। ऊर्जा सुरक्षा और अप्रवासी भारतीयों के हितों की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि शीर्ष स्तर पर भारत का नियमित संपर्क एवं संवाद इन देशों के नेतृत्व के साथ रहे। खाड़ी देश व्यापार और निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं, ताकि वे अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता ला सकें। अभी तक उनकी अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार तेल और गैस जैसे प्राकृतिक संसाधन रहे हैं। चूंकि अर्थव्यवस्था के विस्तार के लिए भारत को भी व्यापार और निवेश की आवश्यकता है, तो यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम खाड़ी देशों के साथ व्यापक सहयोग बढ़ाने पर ध्यान दें। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति देख कर उन देशों को भी ऐसा लगता है कि भारत में निवेश लाभप्रद साबित हो सकता है।

संयुक्त अरब अमीरात समेत खाड़ी देशों से बढ़ते व्यापार और निवेश को देखते हुए यह आशा की जा सकती है कि इस संबंध में आगे भी वृद्धि होती रहेगी। आज के दौर में वैश्विक राजनीति और कूटनीति का गहरा संबंध व्यापार एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों से है। चाहे फारस की खाड़ी हो, लाल सागर हो, स्वेज नहर हो, ऐसे समुद्री मार्ग भारत के आयात-निर्यात के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये रास्ते निर्बाध रहें, इसके लिए भी जरूरी है कि पश्चिम एशियाई देशों से हमारे रिश्ते अच्छे रहें। हिंद महासागर में शांति और स्थिरता के लिए भारत भी प्रयासरत है। इसमें अरब के देश अहम योगदान दे सकते हैं। पश्चिम एशिया की हलचल वैश्विक परिस्थितियों पर बड़ा असर डालती है, इसलिए भी ये रिश्ते अहम हैं।

आज का इतिहास

1834 ग्लेनेर अखबार पहली बार जमैका में प्रकाशित हुआ।
1848 विस्फोट ने एक बड़े लोहे की छड़ को पूरी तरह से हेडोफिन पी. गैज के माध्यम से बाहर निकाल दिया, जिससे उसे मस्तिष्क डैमेजेक्टिंग व्यक्तित्व और व्यवहार का एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक मामला बना।
1858 हैम्बर्ग-यूएस जहाज ऑस्ट्रिया आग लगने और डूबने से 471 लोग मारे गए।
1928 पूर्वोत्तर नेब्रास्का में एक तूफान से 8 लोग मारे गए
1940 इटली सेना ने मिस्र में लीबिया और सल्लुम में फोर्ट कैंपुज़ो पर कब्जा किया।
1945 वियतनाम में युद्ध शुरू हुआ।
1956 आईबीएम ने डिस्क स्टोरेज वाला पहला व्यावसायिक कंप्यूटर 305 रेमेक जारी किया।
1961 रूस द्वारा अधिक परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका अगले दस दिनों के भीतर परमाणु हथियारों के भूमिगत परीक्षण को फिर से शुरू करेगा।
1964 जून के नेता गुयेन खान ने उन्हें डिमोट करने के बाद दक्षिण वियतनामी जनरलों लाम वान फाट और डुओंग वान डुक तड़का तड़का प्रयास किया।
1968 अल्बानिया ने खुद को वारसा संधि से अलग किया।
1971 तख्तापलट की नाकाम कोशिश के बाद, माओत्से तुंग के दूसरे-कमांड-कमांड बियाओ की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई, जबकि चीन के पीपुल्स रिपब्लिक से भागने का प्रयास किया गया।
1971 विश्व हॉकी एसोसिएशन का गठन हुआ।
1977 जनरल मोटर्स द्वारा पहला डीजल ऑटोमोबाइल पेश किया गया।
1979 चीन ने परमाणु परीक्षण किया।
1985 सुपर मारियो ब्रोस, जो अब तक के सबसे ज्यादा बिकने वाले और सबसे प्रभावशाली खेलों में से एक है, पहली बार जापान में एनईएस के लिए जारी किया गया था।
1985 स्टीव जॉब्स ने नेक्सट को बनाने के लिए एप्पल कंप्यूटर से इस्तीफा दिया।
1987 एक रेडियोधर्मी वस्तु को ब्राजील के एक अस्पताल में छोड़ दिया गया था, जो कि गोयाअनिया में एक अस्पताल से निकली थी, जिसके परिणामस्वरूप चार लोगों की मृत्यु हो गई थी और 249 अन्य लोगों में गंभीर प्रदूषण हो गया था।

हरियाणा के चुनावी मुद्दों से मिल रहे हैं सत्ता-विरोधी संकेत

ललित गर्ग

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों में उठापटक हो रही है, दलबदल का सिलसिला जारी है, गठबंधन टूट रहे हैं जो नये जुड़ रहे हैं। प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है। विनेश और बजरंग पहलवान को शामिल करके कांग्रेस खुशियां मना रही थी, लेकिन 'आप' से हो रहा समझौता टूटते ही कांग्रेस की खुशियां कुछ हद तक फीकी दिखाई देने लगीं। फिर भी भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस हरियाणा में अपनी बहुमत की सरकार बनाने का दावा कर रही है। भाजपा भी यहां अपनी सरकार बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस बार हरियाणा के चुनावों पर समूचे देश की नजरे लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है। आप ने प्रत्याशियों की दो-दो सूची जारी कर दी है, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान भी कर दिया है। फिर भी दोनों दलों में कुछ लोग हैं, जो अभी गठबंधन की उम्मीद छोड़ने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि यही गठबंधन कांग्रेस की जीत का बड़ा कारण माना जा रहा है। इस गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक छंटते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन भाजपा की जीत अभी भी निश्चित नहीं मानी जा रही है। भले ही 'आप' को दूर रखकर हरियाणा कांग्रेस की राज्य इकाई खुश हो रही हो, लेकिन इसका फायदा भाजपा को ही होने वाला है क्योंकि 'आप' प्रत्याशियों को जहां भी, जितने भी वोट मिलने वाले हैं, वे जाएंगे कांग्रेस के खाते से ही। इस त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

हरियाणा कांग्रेस एवं उसके नेता प्रारंभ से ही स्वतंत्र चुनाव लड़ने के पक्ष में रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दस वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर के मद्देनजर भाजपा 2019 से कमजोर स्थिति में है, जब उसे 90 सीटों की विधानसभा में 40 सीटें ही मिल पाई थीं। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के नतीजे भी संकेत दे रहे हैं जहां पिछली बार की दसों सीटों की जगह उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं। आप को कांग्रेस के साथ गठबंधन में यहां एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिला था, लेकिन वह हार गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए ही प्रदेश कांग्रेस आप के साथ गठबंधन को पूरी तरह गैर जरूरी मान रहा है। लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व राजनीति गणित को देखते हुए आप के साथ गठबंधन को लेकर निरन्तर प्रयास करता रहा। यही कारण दोनों दल गठबंधन के लिए बातचीत की मेज पर बैठे। राहुल गांधी अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उनकी प्राथमिकता यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की एकजुटता और उसकी मजबूती में किसी तरह की कमी न दिखे ताकि केंद्र सरकार और भाजपा पर उसका दबाव बना रहे।

हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण 'आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में 'आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी। हालांकि चुनाव परिणाम आने पर ही असल माजरा समझ आएगा, लेकिन यह तय है कि भाजपा को दस साल के राज के बावजूद कमजोर नहीं माना जा सकता।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई कमी के बाद विपक्ष को जो थोड़ी धार मिली है, उसका जो मनोबल बढ़ा था, उसके मद्देनजर ये चुनाव अहम माने जा रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर मजबूती से लड़ता और अच्छी जीत दर्ज करा पाता तो उसका असर न केवल आने वाले विधानसभा चुनावों पर बल्कि पूरे विपक्ष के मनोबल पर पड़ने वाला था। इंडिया गठबंधन के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही झेलना पड़ता है। इसलिये इस गठबंधन की मजबूती ही भाजपा के लिये असली चुनौती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को याद करें तो इस पर लगभग आम राय है कि वहां कांग्रेस को प्रदेश नेतृत्व के अति आत्मविश्वास का नुकसान हुआ। असल सवाल विपक्षी वोटों के बंटवारे का है। जिस तरह से आप प्रत्याशियों की सूची जारी कर रही है, उससे साफ है कि वह इसी पहलू की ओर इशारा कर रही है कि उसे सीटें भले न आएं, कांग्रेस को कई सीटों का नुकसान तो हो ही सकता है।

भाजपा लम्बे समय से हरियाणा में कमजोर बनी हुई है, भले ही सरकार उसी की हो। अपनी लगातार होती कमजोर स्थितियों में सुधार लाने एवं प्रदेश में भाजपा को मजबूती देने के लिये ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल के स्थान पर ओबीसी वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता विरोधी कारकों को कम करने की कोशिश की थी, लेकिन भाजपा को उसका पूरा लाभ नहीं मिल सका। इसके मुख्य कारण सत्ता विरोधी वातावरण बना तो किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी बड़ी चुनौती बन कर सामने आयी। भाजपा द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानून हरियाणा में विवाद का मुख्य मुद्दा बने हुए है। राज्य के किसानों ने इन कानूनों का विरोध किया, उनका दावा है कि ये उनकी फसल की बिक्री और आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। केन्द्र की अग्निपथ योजना भी इन चुनावों में एक विवादास्पद मुद्दा बनी हुई है। इसने राज्य के युवाओं में चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थायी भर्ती से दूर जाने का कदम है, जिससे सैनिकों के लिए रोजगार में अस्थिरता पैदा होती है। इन चुनावों में बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारी नीतियों पर काफी बहस चल रही है, जिससे यह चुनावों में एक केंद्रीय मुद्दा बन गया है।

पहलवानों से जुड़ा मामला और बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोप भी हरियाणा चुनाव में अहम मुद्दा बन गए हैं। पहलवानों ने सिंह पर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है, जिससे हरियाणा में राजनीतिक परिदृश्य में एक नया आयाम जुड़ गया है। हरियाणा में पहलवानों की सबसे अधिक संख्या और कुश्ती में एक मजबूत परंपरा होने के बावजूद, समर्थन की कथित कमी पर चिंता है। खेलो इंडिया पहल में, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना है, गुजरात को सबसे अधिक बजट आवंटित किया गया, जिससे हरियाणा के खेल समुदाय में असंतोष पैदा हुआ। यह मुद्दा राज्य में एथलीटों के लिए संसाधनों और समर्थन के वितरण में कथित असंतुलन को उजागर करता है। इन स्थितियों में विनेश और बजरंग पहलवान के कांग्रेस में शामिल होने का पार्टी को लाभ मिलेगा। हरियाणा चुनाव में उठाये जा रहे मुद्दों पर गौर करे तो ये संकेत भाजपा के लिये संकट का कारण बन रहे हैं। कुल मिलाकर इस बार हरियाणा के चुनावों में लड़ाई कई दलों के लिये आरपार की है। 'अभी नहीं तो कभी नहीं'- हरियाणा का सिंहासन छूने के लिये सबके हाथों में खुजली आ रही है। इसमें हरियाणा के मतदाता की जागरूकता, संकल्प एवं विवेक ही प्रभावी भूमिका अदा करेंगा।

जम्मू-कश्मीर चुनाव: आखिर मुद्दा क्या है

बलबीर पुंज

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव आगामी 18 सितंबर से लेकर एक अक्तूबर के बीच 3 चरणों में संपन्न होंगे। चुनाव का मुद्दा क्या है? क्या कश्मीर वर्ष 2019 से पहले के उस कालखंड में लौटे, जब क्षेत्र में सभी आर्थिक गतिविधियां बंद थीं, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना-पुलिस बलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, गाहे-बगाहे अलगाववादियों द्वारा बंद बुला लिया जाता था और वातावरण 'पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसे भारत विरोधी नारों से दूषित होता रहता था? या फिर इस केंद्र शासित प्रदेश में बीते 5 वर्षों की भांति वैसी विकास की धारा बहती रहे, जिसके कारण कश्मीर तुलनात्मक रूप से शांत है, देश के शेष हिस्सों की तरह संविधान-कानून का इकबाल है और बहुलतावादी संस्कृति के साथ समरसता से युक्त वातावरण है? यह प्रश्न इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस चुनाव में जम्मू-कश्मीर के बड़े क्षत्रप दल नैशनल कांफ्रेंस ने राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, जिसका घोषणापत्र मतदाताओं से वादा करता है कि सत्ता में लौटने पर उस जहरीली धारा 370-35ए को भारतीय संविधान में बहाल करेंगे, जिसके सक्रिय रहते (अगस्त 2019 से पहले) पूरा सूबा अंधकार में था। पर्यटक आने से कतराते थे, सिनेमाघरों पर ताला लगा हुआ था, मजहब केंद्रित आतंकवाद, पाकिस्तान समर्थित अलगाववाद का वर्चस्व था और शेष देश की भांति दलित-वंचितों के साथ आदिवासियों को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों (आरक्षण सहित) पर डाका था। धारा 370-35ए के संवैधानिक परिमार्जन के बाद जम्मू-कश्मीर पिछले 5 वर्षों से गुलजार हो रहा है। तिरंगामयी हो चुके श्रीनगर स्थित लालचौक की रौनक देखते ही बनती है। पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 3 दशक से अधिक के लंबे फासले के बाद नए-पुराने सिनेमाघर संचालित हो रहे हैं। देर रात तक लोग प्रसिद्ध शिकारा की सवारी का आनंद ले रहे हैं। स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय भी सुचारू रूप से चल रहे हैं। दुकानें भी लंबे समय तक खुली रहती हैं। स्थानीय लोगों का जीवनस्तर सुधर रहा है। जिहादी दंश झेलने के बाद वर्षों पहले घाटी छोड़कर गए कश्मीरी पंडित धीरे-धीरे लौटने लगे हैं। बदली परिस्थिति में जी-20 सम्मेलन हो चुका है, तो फिल्म निर्माता-निर्देशक घाटी की ओर फिर से आकर्षित होने लगे हैं। जम्मू-कश्मीर की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत, देश-विदेश से लगभग सवा लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जिससे प्रदेश में 4.69 लाख रोजगार पैदा होने का अनुमान है। यहां तक, गत वर्ष कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी श्रीनगर में तिरंगे के साथ अपनी महत्वाकांक्षी 'भारत जोड़ो यात्रा' का समापन कर चुके हैं। अगस्त 2019 से पहले क्या स्थिति थी, यह पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे के हालिया वक्तव्य से स्पष्ट है। जम्मू-कश्मीर का एक वर्ग पाकिस्तानी मानसिकता से ग्रस्त है। चूंकि पाकिस्तान किसी देश का नाम न होकर स्वयं में एक विचारधारा है और 'काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरणा पाता है, इसलिए घाटी के कुछ नेता इसी चिंतन का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्र को पुराने, मजहबी, अराजकवादी और मध्यकालीन दौर में लौटाना चाहते हैं। नैशनल कांफ्रैंस और पी.डी.पी. भी घाटी में इसी विभाजनकारी मानस के प्रमुख झंडाबरदार हैं। जातिगत जनगणना की हिमायती कांग्रेस का गठबंधन उसी नैशनल कांफ्रैंस के साथ है, जिसने अपने चुनावी घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में सभी आरक्षणों की 'समीक्षा' करने की भी बात कही है। यह वादा क्षेत्र में वाल्मिकी-आदिवासी समाज के साथ मुस्लिम गुज्जर और बकरवालों के अधिकारों पर कुठाराघात करता है। यही नहीं, नैशनल कांफ्रैंस फिर से अलगाववाद से प्रेरित 'स्वायत्तता' की बात कर रहा है। उनके घोषणापत्र में उन कैदियों को रिहा करने का वायदा किया गया है, जो आतंकवादी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के शामिल होने के कारण जेल में बंद है। साथ ही उसमें श्रीनगर के प्रसिद्ध शंकराचार्य पर्वत को 'तख्त-ए-सुलेमान' और हरि पर्वत किले को 'कोह-ए-मरान' के रूप में संदर्भित किया गया है।

अमित शाह की समझाइश ने किया कमाल!

हरीश गुप्ता

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह अविश्वसनीय लेकिन सत्य है। बेहद परेशान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान को तलब किया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग अपने पार्टी सांसदों के साथ उनके 6 कृष्ण मेनन मार्ग स्थित आवास पर पहुंचे। जाहिर तौर पर, शाह ने कोर ग्रुप में आंतरिक चर्चा के मद्देनजर यह कदम उठाया। भाजपा नेतृत्व चिराग के कुछ सार्वजनिक बयानों से नाराज था। चिराग पासवान ने सार्वजनिक रूप से वक्फ विधेयक का विरोध किया और इसे समिति को भेजने की मांग की थी।

उन्होंने सरकारी भर्तियों के लिए लेटरल एंट्री रूट को वापस लेने की भी मांग की और जाति जनगणना की वकालत की थी। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में उप-वर्गीकरण की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भारत बंद का समर्थन भी किया। इतना ही नहीं बल्कि उन्होंने कहा कि एनडीए में सीट बंटवारे पर अगर सहमति नहीं बनी तो वे झारखंड विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे। 26 अगस्त को जब अमित शाह ने चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस से मुलाकात की थी, तब इसके जरिये भाजपा नेतृत्व ने चिराग पासवान को संदेश दिया था।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव में पशुपति पारस को किनारे कर दिया था और चिराग पासवान के साथ जाने का फैसला किया था और उन्होंने पांच सीटें जीती थीं। 30 अगस्त को चिराग पासवान अपने तीन लोकसभा सांसदों के साथ अमित शाह के आवास पर पहुंचे। चिराग को भीतर बुलाए जाने के दौरान सांसद बाहर बैठे रहे। चिराग के लिए यह एक अलग तरह का अनुभव था, जहां उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से फटकार मिली।

बातचीत का सार यह था कि वह एनडीए छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि उनका कोई भी सांसद उनके साथ नहीं जाएगा। उसी दिन बाद में पीटीआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में चिराग ने जो कहा, वह पूरी तरह से उलट था। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर भाजपा चाहे तो वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव एनडीए के सहयोगी के रूप में लड़ने को तैयार हैं।

राहुल की गुगली से चकराए पार्टी के नेता- हरियाणा में कांग्रेस नेतृत्व के लिए यह करो या मरो की लड़ाई है, क्योंकि पिछले दस सालों से वे विपक्ष में बैठे हुए हैं, जबकि भाजपा ने लगातार दो बार सरकार बनाई है। कांग्रेस नेतृत्व इस बार उत्साहित है, जबकि भाजपा को भारी सत्ता विरोधी लहर, बल्कि विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है और वह अपने घर को भी व्यवस्थित करने में असमर्थ है।

जब टिकट बंटवारे का मुद्दा कोर कमेटी के सामने आया, तो राहुल गांधी ने संकेत दिया कि 90 में से कुछ सीटें आप और समाजवादी पार्टी के लिए अलग रखी जानी चाहिए। इससे पार्टी के वरिष्ठ नेता हैरान थे, क्योंकि उनमें से किसी का भी वहां कोई प्रभाव नहीं था। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट आप को देने से कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला और भाजपा जीत गई।

कांग्रेस ने पांच लोकसभा सीटें जीतकर कैडर में नई जान फूंकी और अब विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करना चाहती है। लेकिन राहुल गांधी की योजना कुछ और ही थी। उन्होंने कहा, 'मैं लोकसभा में कांग्रेस का नेता नहीं हूं। मैं विपक्ष का नेता हूं और पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करता हूं, जिसमें इंडिया गठबंधन या बाहर के दल भी शामिल हैं।

अगर हमें देश में भाजपा को हराना है तो हमें उन्हें समायोजित करना होगा।' हालांकि आप के साथ गठबंधन अभी तक सफल नहीं हुआ है, लेकिन सपा अभी भी कुछ समझौतों के साथ मैदान में उतर सकती है। लेकिन राहुल गांधी ने निश्चित रूप से मित्र दलों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया और अपनी पार्टी के लोगों को हैरान किया।

शेख हसीना का गुप्त ठिकाना!- बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले महीने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों और हिंसा में बढ़ती मौतों के कारण अपने देश से बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। वह अपनी बहन के साथ कुछ समय के लिए भारत में अचानक उतरीं। लेकिन अब यह यात्रा लंबी हो गई है क्योंकि यूनाइटेड किंगडम में रहने की उनकी योजनाएं मुश्किल में पड़ गई हैं।

अब बांग्लादेश की नई सरकार की ओर से भारत पर दबाव बढ़ रहा है कि वह उन्हें वापस भेजे ताकि वे अपने खिलाफ आपराधिक मामलों का सामना करें। भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि है। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री ने कहा है कि अगर वे शांति से रहना चाहती हैं तो बयानबाजी न करते हुए चुपचाप रहें।

पिछली बार परेशान हसीना ने भारत में शरण तब ली थी जब 1975 में उनके पिता शेख मुजीबुर रहमान समेत उनके परिवार का नरसंहार हुआ था। हसीना ने अपने पति, बच्चों और बहन के साथ भारत में शरण ली थी। वे 1975 से 1981 तक छह साल तक दिल्ली के पंडारा रोड में एक फर्जी पहचान के साथ रहे।

भाजपा का संगठन पर्व सदस्यता अभियान आरंभ

श्वेत मलिक

भारतीय जनता पार्टी एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है। पार्टी की कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान 'विश्वशक्ति' एवं 'विश्व गुरु' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। इसके साथ ही विश्व शांति तथा न्याययुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखे।

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। साथ ही पार्टी का अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर है। पार्टी ने 5 प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की, जिन्हें 'पंचनिष्ठा' कहते हैं। ये 5 सिद्धांत (पंच निष्ठा) हैं- राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गांधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति।

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी के प्रथम अध्यक्ष निर्वाचित हुए। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हो गई। 1996 के आम चुनावों में भाजपा को लोकसभा में 161 सीटें प्राप्त हुईं। भाजपा ने लोकसभा में 1989 में 85, 1991 में 120 तथा 1996 में 161 सीटें प्राप्त कीं। भाजपा का जनसमर्थन लगातार बढ़ रहा था। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पहली बार भाजपा सरकार ने 1996 में शपथ ली, परन्तु पर्याप्त समर्थन के अभाव में यह सरकार मात्र 13 दिन ही चल पाई।

इसके बाद 1998 के आम चुनावों में भाजपा ने

182 सीटों पर जीत दर्ज की और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने शपथ ली। परन्तु जयललिता के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक द्वारा समर्थन वापस लिए जाने के कारण सरकार लोकसभा में विश्वासमत के दौरान एक वोट से गिर गई, जिसके पीछे वह अनैतिक आचरण था, जिसमें उड़ीसा के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री गिरिधर गोमांग ने पद पर रहते हुए भी लोकसभा की सदस्यता नहीं छोड़ी तथा विश्वासमत के दौरान सरकार के विरुद्ध मतदान किया।

कांग्रेस के इस अवैध और अनैतिक आचरण के कारण ही देश को पुनः आम चुनावों का सामना करना पड़ा। 1999 में भाजपा को 182 सीटों पर पुनः विजय मिली तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 306 सीटें प्राप्त हुईं। एक बार पुनः अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा-नीत राजग की सरकार बनी। भारत-पाक संबंधों को सुधारने, देश की आंतरिक समस्याओं जैसे नक्सलवाद, आतंकवाद, जम्मू एवं कश्मीर तथा उत्तर पूर्व के राज्यों में अलगाववाद पर कई प्रभावी कदम उठाए गए। राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ कर सुशासन एवं सुरक्षा को केन्द्र में रखकर देश को समृद्ध एवं समर्थ बनाने की दिशा में अनेक निर्णायक कदम उठाए गए। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवानी के नेतृत्व में राजग शासन ने देश में विकास की एक नई राजनीति का सूत्रपात किया।

आज भाजपा देश में एक प्रमुख राष्ट्रवादी शक्ति के रूप में उभर चुकी है एवं देश के सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कृतसंकल्प है। 10 साल पार्टी ने मनमोहन सरकार के समय विपक्ष की सक्रिय और शानदार भूमिका निभाई व कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी, जो आज 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की उद्घोषणा के साथ गौरव सम्पन्न भारत का पुनर्निर्माण कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा लगभग 11 करोड़ सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। अब राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में भाजपा का सदस्यता अभियान चल रहा है।

26 मई, 2014 को नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने कम समय में ही अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्व में भारत की गरिमा को पुनः स्थापित किया, राजनीति पर लोगों के विश्वास को फिर से स्थापित किया। अनेक अभिनव योजनाओं के माध्यम से नए युग की शुरूआत की। अन्त्योदय, सुशासन, विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर देश बढ़ चला है। आर्थिक और सामाजिक सुधार सुरक्षित जीवन जीने का मार्ग उपलब्ध करा रहे हैं। किसानों के लिए ऋण से लेकर खाद तक की नई नीतियां जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सॉयल हैल्थ कार्ड आदि ने कृषि के तीव्र विकास की अलख जगाई है। ये नया युग है सुशासन का। चाहे आदर्श ग्राम योजना हो, स्वच्छता अभियान या फिर योग के सहारे भारत को स्वस्थ बनाने का अभियान, इन सभी कदमों से देश को एक नई ऊर्जा मिली है। भाजपा की मोदी सरकार ने 'मेक इन इंडिया', 'स्किल इंडिया', अमृत मिशन, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, डिजिटल इंडिया, जी.एस.टी. जैसी योजनाओं से भारत को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाया है।

राजनीतिक हाशिये पर बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल के परिवार

राज कुमार सिंह

राजनीति भी अजब खेल है। दशकों तक हरियाणा में राजनीति के केंद्र रहे तीन लाल- बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल- के परिवार इस विधानसभा चुनाव में हाशिये पर हैं। तीनों लालों ने अपनी राजनीति की शुरूआत कांग्रेस से ही की थी, लेकिन तीनों ने ही कांग्रेस छोड़ी भी। तथ्य यह भी है कि पिछले दस साल से हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा देवीलाल और बंसीलाल के दल के साथ गठबंधन कर राजनीति करती रही, लेकिन पिछले एक दशक में तीनों लाल परिवार उसका कमल थामे नजर आये।

चौधरी बंसीलाल इंदिरा गांधी के समय बड़े नेताओं में गिने जाते थे। इंदिरा के चर्चित बेटे संजय गांधी के भी वे करीबी रहे। वे केंद्र में मंत्री रहने के अलावा तीन बार हरियाणा के मुख्यमंत्री भी रहे। उन्हें 'आधुनिक हरियाणा का निर्माता' कहा जाता है। तीसरी बार वे हरियाणा विकास पार्टी बना कर भाजपा से गठबंधन में चुनाव जीत कर मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा द्वारा समर्थन वापसी के चलते बंसीलाल सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पायी। साल 2004 में बंसीलाल और उनके बेटे सुरेंद्र सिंह ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में 2005 में कांग्रेस के सत्ता में आने पर सुरेंद्र सिंह मंत्री भी बनाये गये। एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी किरण चौधरी ने परिवार की राजनीतिक विरासत संभाली, जो उससे पहले दिल्ली में कांग्रेस की बड़ी नेता थीं।

हरियाणा में गैर-कांग्रेसी राजनीति की धुरी बने देवीलाल सबसे ज्यादा पांच बार मुख्यमंत्री रहे, पर उनका कार्यकाल कभी लंबा नहीं रहा। जनसंघ और भाजपा से उनके अच्छे रिश्ते रहे। 'ताऊ' के संबोधन से लोकप्रिय देवीलाल देश के उप-प्रधानमंत्री भी बने। उनके बेटे ओमप्रकाश चौटाला, जो उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी बने, ने भी भाजपा के साथ गठबंधन सरकार चलायी। उसी कार्यकाल में दोनों में तल्खियां बढ़ीं और रास्ते अलग हो गये। साल 2018 में चौटाला परिवार और उसकी पार्टी इनेलो टूटी, तो बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला ने जननायक जनता पार्टी (जजपा) बना ली। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से वंचित रह गयी, तो 10 विधायकों वाली जजपा से गठबंधन हुआ और देवीलाल की चौथी पीढ़ी के दुष्यंत चौटाला उप-मुख्यमंत्री बने। भजनलाल तीन बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। वे केंद्र में मंत्री भी रहे। राजनीतिक जोड़तोड़ के मामले में उन्हें 'पीएचडी' कहा जाता था। केंद्र में नरसिंह राव सरकार को अल्पमत से बहुमत में बदलने में उनकी भूमिका की अक्सर चर्चा होती है। उनके दोनों बेटे- चंद्रमोहन और कुलदीप बिश्नोई- राजनीति में हैं। चंद्रमोहन कांग्रेस में हैं, जबकि अलग पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजका) बना कर फिर कांग्रेस में लौटने के बाद कुलदीप अब भाजपा में हैं। साल 2005 में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने से पहले तक हरियाणा की राजनीति इन्हीं तीन लाल परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती रही, पर उसके बाद इनका दबदबा कम होता गया। 'चौथे लाल' के रूप में हरियाणा की सत्ता संभालने वाले मनोहर लाल के कार्यकाल ने तो हालात ऐसे बना दिये कि कल तक जो परिवार हरियाणा की राजनीति की दिशा तय करते थे, आज उनके परिजनों का राजनीतिक भाग्य दूसरे दल और नेता तय कर रहे हैं। हुड्डा से लंबी तनातनी के बाद किरण चौधरी को आखिरकार भाजपा की शरण में जाना पड़ा, जिसने उन्हें राज्यसभा सांसद बनाने के बाद अब बेटी श्रुति चौधरी को तोशाम से विधानसभा का टिकट भी दे दिया है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने श्रुति को भिवानी-महेंद्रगढ़ से टिकट नहीं दिया था। भजनलाल के बड़े बेटे चंद्रमोहन की राजनीति पंचकूला और कालका विधानसभा सीट तक सिमट कर रह गयी है। कुलदीप बिश्नोई का पूरा ध्यान बेटे भव्य को राजनीतिक रूप से स्थापित करने पर है। कभी 'दाता' की हैसियत में रहा भजनलाल परिवार भी अब 'याचक' की मुद्रा में आ गया है।

नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील:
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।

2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।

3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढ़के पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।

4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।

इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल ।, त्रिशूल ॥, त्रिशूल ॥।, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।
6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादूर और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।

2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।

3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।

4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।

5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देंगी।

6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्ष्यद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।

7. उदयपुर :
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।

9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।

10. श्रीनगर :
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

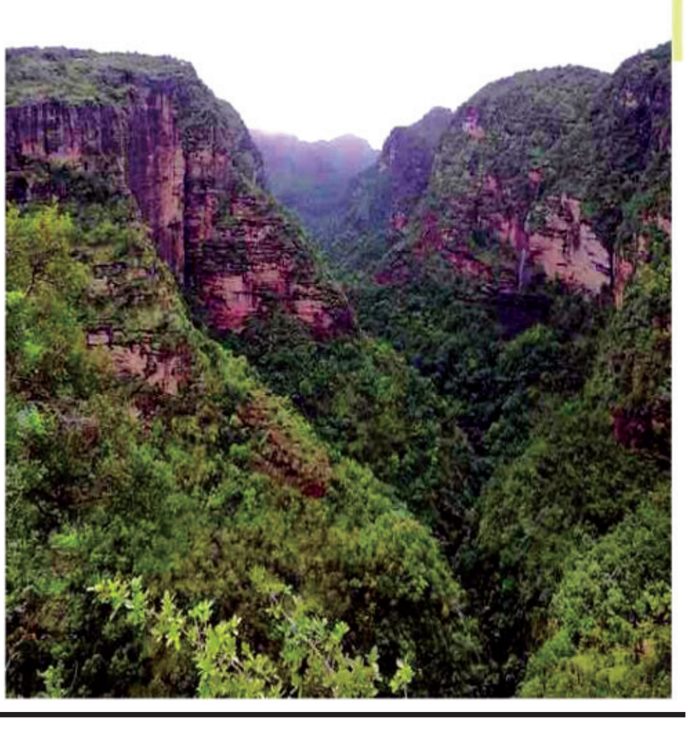

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. माता पार्वती है नंदा देवी: उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन: नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. सबसे ऊंची चोटी: नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. 12 वर्ष में एक बार यात्रा: नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. हिमालयी कुंभ: चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रश की शुरुआत: नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. यात्रा का प्रारंभ और अंत: नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा: इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में : इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाडू: इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाडू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाडू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

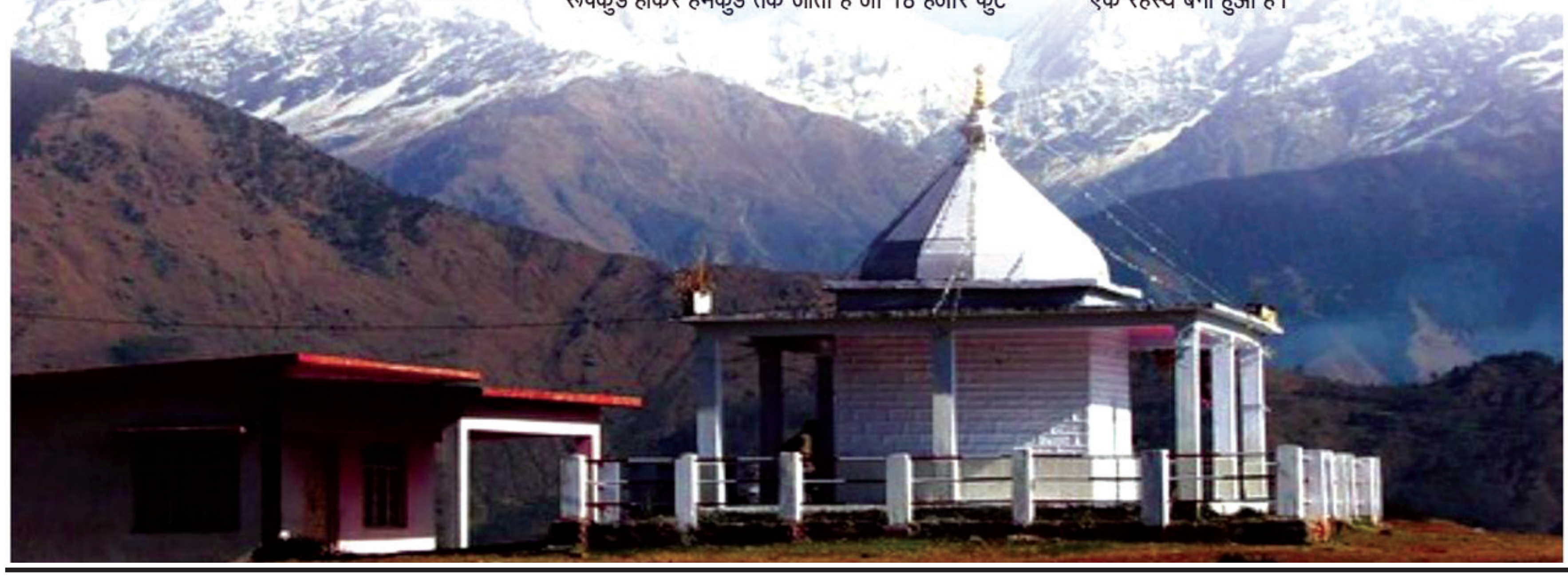

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मोदी 16 को गुजरात में मेट्रो रेल विस्तार का उद्घाटन करेंगे

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 सितंबर को अपने गुजरात दौरे के दौरान अहमदाबाद से गांधीनगर तक बहुप्रतीक्षित मेट्रो रेल विस्तार का उद्घाटन करेंगे। इस मेट्रो ट्रेन विस्तार से दोनों शहरों के बीच सम्पर्क बेहतर होगा। गुजरात सरकार ने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री 15 सितंबर से अपने गृह राज्य के दो दिन के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह अहमदाबाद मेट्रो विस्तार के दूसरे चरण का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल के लिए नौ जून को पदभार ग्रहण करने के बाद यह मोदी की पहली गुजरात यात्रा होगी। बयान में कहा गया है कि दूसरे चरण का पहला भाग 21 किलोमीटर तक फैला है। इसमें शुरुआत में कुल आठ नए मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे और आवासीय व वाणिज्यिक, दोनों क्षेत्रों में निर्बाध और कुशल परिवहन सेवाएं प्रदान की जाएंगी। चरण एक का दूसरा भाग गांधीनगर में सेक्टर-1 को महात्मा मंदिर से जोड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट आज केजरीवाल की जमानत पर सुनाएगा फैसला

नईदिल्ली। सीबीआई केस में अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला 13 सितंबर को सुनाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जमानत की मांग करते हुए और कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है। जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की पीठ कल फैसला सुनाएगी। शीर्ष अदालत द्वारा 5 सितंबर को केजरीवाल की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद यह घटनाक्रम सामने आया। जमानत याचिका पर आदेश तब सुरक्षित रखा गया जब सीबीआई ने दलील दी कि अगर केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया तो वह सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं और दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में चल रही जांच में बाधा डाल सकते हैं।

विपक्ष के विरोध पर भाजपा ने कड़ा प्रहार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर जाने पर विपक्ष के विरोध पर भाजपा ने कड़ा प्रहार किया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने इसे लोकतंत्र की भावना के अनुसार सबको साथ लेकर चलने वाली भावना के अनुकूल बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि हमारा देश लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत चलता है। इस व्यवस्था में आपसी मेलजोल और सहयोग से ही देश आगे बढ़ता है। लोकतंत्र के एक स्तंभ के शीर्ष नेता के द्वारा दूसरे स्तंभ के शीर्ष व्यक्ति से सौहार्दपूर्ण माहौल में मिलना किसी भी तरह गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान इफ्तार पार्टी आयोजित की जाती थी, इसमें तत्कालीन पूर्व मुख्य न्यायाधीश शामिल भी होते थे। ऐसे में आज मुख्य न्यायाधीश के घर गणपति पूजा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने पर कोई विरोध नहीं होना चाहिए।

जीतन राम मांझी ने राहुल गांधी को बताया देशद्रोही

पटना। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अमेरिका में दिए गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को एंटी नेशनल करार दिया है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी पर मुकदमा होना चाहिए। उनका व्यवहार देशद्रोह जैसा है। उन्हें देश के बाहर जाकर घर की बात नहीं करनी चाहिए थी। वे लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता हैं। वे संसद में भी अपनी बात रख सकते हैं। यहां लड़ें-झगड़ें कोई बात नहीं। विदेश में बयान देकर एंटी नेशनल काम कर रहे हैं। जीतन राम मांझी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि कोई भी देशभक्त विदेशी धरती पर जाकर जनता की चुनी गई सरकार पर अभद्र टिप्पणी नहीं कर सकता। राहुल गांधी का बयान एक देशद्रोही का बयान है। उनके ऊपर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। वे विपक्ष के नेता संसद में हैं। भारत के विपक्ष के नेता नहीं हैं। भारत में हम अलग-अलग दल के लोग चुनाव लड़ते हैं, लेकिन बाहर देश के मामले में हम एक हैं। वह इसे क्यों नहीं समझते हैं?

सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी का निधन

नईदिल्ली। सीपीआई(एम) महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद सीताराम येचुरी का गुरुवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 72 वर्ष के थे। उन्हें दिल्ली के एम्स की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था और उनका तीव्र श्वसन पथ संक्रमण का इलाज किया जा रहा था। पिछले कुछ दिनों से वे श्वसन सहायता पर थे और डॉक्टरों की एक बहु-विषयक टीम द्वारा उनका इलाज किया जा रहा था। येचुरी ने 2015 में सीपीएम के महासचिव के रूप में प्रकाश करात का स्थान लिया था। येचुरी ने दिवंगत पार्टी नेता हरकिशन सिंह सुरजीत के अधीन काम सीखा था, जिन्होंने पहले वी पी सिंह की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार और 1996-97 की संयुक्त मोर्चा सरकार के दौरान गठबंधन युग के शासन में प्रमुख भूमिकाएँ निभाई थीं, दोनों ही सरकारों को सीपीआई(एम) ने बाहर से समर्थन दिया था। येचुरी ने अपने कौशल को तब और निखारा जब वामपंथी दलों ने पहली यूपीए सरकार का समर्थन किया।

मोदी 100 दिन के एजेंडे का जोर-शोर से ढिंढोरा पीटा था : खरगे

■ प्रधानमंत्री पर कांग्रेस अध्यक्ष का कटाक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने गुरुवार को कहा कि पीएम ने चुनाव से पहले 100 दिन के एजेंडे का जोर-शोर से ढिंढोरा पीटा था। मगर, अब उनकी गठबंधन सरकार के 95 दिनों में देश उनकी निष्क्रियता के भयानक परिणाम भुगत रहा है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स में कहा, नरेंद्र मोदी जी चुनाव से पहले आपने जोर-शोर से 100 दिन के एजेंडे का ढिंढोरा पीट दिया था। अब 95 दिन पूरे हो गए हैं, लेकिन आपकी गठबंधन सरकार ढुलमुल रवैया अपना रही है।

खरगे ने कहा, चलिए थोड़ा पीछे ले चलते हैं। आपकी सरकार गरीब और मध्यम वर्ग की रीढ़ तोड़ने के लिए एक जनविरोधी बजट लेकर आई है। जम्मू एवं कश्मीर में, विशेष रूप से जम्मू में आतंकवादी हमले हुए, जहां भारतीय सेना के कई बहादुर जवान शहीद हुए।

उन्होंने कहा कि 16 महीने बीत गए हैं। मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री जी आपके पास राज्य को देखने के लिए समय तक नहीं है। मोदी-अदाणी महा घोटाले का खुलासा और सेबी अध्यक्ष द्वारा भूल-चूक के कारनामों को अब और दबाया नहीं जा सकता।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा, चाहे वह नीट पेपर लीक घोटाला हो या बड़े पैमाने पर बेरोजगारी साबित करने वाली घटना, मोदी सरकार ने हर दिन युवाओं को धोखा दिया है। उन्होंने यह भी कहा, चाहे महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा हो, हवाई अड्डों की छत हो, अयोध्या में भगवान राम मंदिर हो, एक्सप्रेसवे, पुल, सड़कें, सुरंग हो, ऐसे कुछ भी जो बनाने का आप (पीएम मोदी) दावा कर रहे हैं, उन सभी में खामियां थीं। रेलवे सुरक्षा गंभीर खतरे में है। शहरों में पानी भर गया है और राज्यों को पर्याप्त राहत नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा कि आपको वक्फ विधेयक को जेपीसी को सौंपना पड़ा, यूपीएस में यू टर्न लेने और लेटरल एंट्री पर संविधान का समर्थन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसका पूरा श्रेय जनता और इंडी गठबंधन के दलों को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई नहीं जानता कि 100 दिनों के लिए आपका एजेंडा क्या था। लेकिन 95 दिनों में देश आपकी निष्क्रियता के भयानक परिणाम भुगत रहा है।

पेरिस पैरालंपिक में इतिहास रचने वाले पैरा एथलीट्स से मिले प्रधानमंत्री

सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य समेत 29 पदक जीते

नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक खेलों में इतिहास रचने के बाद गुरुवार को भारतीय दल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसका वीडियो भी सामने आया है। पीएम मोदी पैरा एथलीट्स से हंसी मजाक करते नजर आए। उन्होंने इतिहास रचने वाले एथलीट्स और उनके कोच की जमकर तारीफ की। पेरिस पैरालंपिक में रिकॉर्ड 29 पदक जीतने के बाद भारतीय एथलीट्स मंगलवार को देश लौटे थे। भारत ने पेरिस पैरालंपिक में सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य समेत 29 पदक जीते थे। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक का रिकॉर्ड तोड़ा था। टोक्यो में भारत ने 19 पदक जीते थे और देश पदक तालिका में 24वें स्थान पर रहा था, जबकि पेरिस में भारत 18वें स्थान पर रहा। भारत इस बार पेरिस में 25 पार के लक्ष्य के साथ उतरा था और उसे हासिल भी किया।

इस दौरान पीएम मोदी के साथ खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया भी नजर आए। जूडो में पैरालंपिक पदक जीतकर इतिहास रचने वाले कपिल परमार ने पीएम मोदी को एक मोमेंटो गिफ्ट किया। पीएम मोदी ने फिर कपिल को ऑटोग्राफ भी दिया। वहीं, अवनि लेखरा ने पीएम मोदी को स्वर्ण पदक वाले ग्लव्स और एक जर्सी गिफ्ट की, जिसमें पीएम मोदी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद लिखा था। पीएम मोदी ने अवनि के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया।

खेल मंत्रालय द्वारा साझा किए गए 43 सेकंड के वीडियो में पीएम को पदक विजेताओं के साथ बातचीत से पहले उन्हें बधाई देते देखा जा सकता है। भारत ने पैरालंपिक खेलों में अभूतपूर्व सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक सहित 29 पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने इस बार सबसे ज्यादा 84 खिलाड़ियों के दल को पेरिस भेजा था।

देश लौटने के बाद से पैरालिंपियनों को सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। खेल मंत्री मांडविया ने स्वर्ण पदक विजेताओं को 75 लाख रुपये, रजत विजेताओं को 50 लाख रुपये और खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले एथलीटों को 30 लाख रुपये दिए हैं। मिश्रित टीम स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को 22.5 लाख रुपये देकर सम्मानित किया गया। इनमें तीरंदाज शीतल देवी शामिल हैं, जिन्होंने राकेश कुमार के साथ कांस्य पदक जीता था।

पेरिस पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर सिंह ने कहा कि वह पीएम मोदी से मिलकर खुश हैं। उन्होंने कहा, %मैं बहुत खुश हूं। मैं पेरिस पैरालंपिक में पैरा तीरंदाजी का चैंपियन बनकर लौटा हूं। यह देश के लिए ऐतिहासिक पदक है। मैंने प्रधानमंत्री को फाइनल में इस्तेमाल किया गया अपना एक तीर उपहार के रूप में दिया है। पीएम मोदी ने हमें काफी प्रेरित किया और पदक विजेताओं, प्रतिभागियों और सपोर्ट स्टाफ से बातचीत की।

सुषुप्त अवस्था में सीएम नीतीश कुमार पटना में 6 माह में 175 हत्या : तेजस्वी

पटना। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को अपराध को घटनाओं को लेकर फिर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेलगाम अपराध और ध्वस्त विधि-व्यवस्था को कारण रोज सैकड़ों लोगों की सत्ता प्रायोजित पूर्व नियोजित हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार सुषुप्त अवस्था में हैं। तेजस्वी यादव ने अधिकारियों के ट्रांसफर और कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर समाचार पत्र की कटिंग की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुषुप्त अवस्था में हैं। प्रदेश में बेलगाम अपराध और ध्वस्त विधि व्यवस्था के कारण प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की सत्ता प्रायोजित पूर्व नियोजित हत्याएं हो रही हैं, लेकिन किसी पुलिस अधिकारी पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई एवं तबादला करने की बजाय अपराध वाले जिलों/क्षेत्रों में ही उन्हें लंबी अवधि तक, तब तक पोस्टिंग दी जा रही कि जब तक पोस्टिंग के वक्त निवेशित राशि पर लाभांश ना मिल जाए। उन्होंने आगे लिखा है कि नीतीश कुमार की पुलिस अपराध की रोकथाम नहीं बल्कि शराबबंदी के नाम पर धन शोधन में व्यस्त है। हत्याओं की ये घटनाएं केवल पटना शहर (पटना जिला नहीं) के पुलिस के आंकड़े है, लेकिन सच्चाई इससे भी कई गुणा भयावह है। समाचार पत्र की कटिंग में लिखा है कि पटना में इस साल जून तक हत्या की 175 वारदात, लूट की 108, डकैती की 23, घर में चोरी की 489 तथा वाहन चोरी की 2936 वारदात हुई हैं। बता दें कि विपक्ष प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर लगातार निशाना साध रहा है।

तेजस्वी यादव के बयान पर विजेंद्र यादव ने किया पलटवार

पटना। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के द्वारा बिहार में अपराध की बढ़ती घटनाओं पर नीतीश सरकार पर ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव ने गुरुवार को पलटवार करते हुए कहा कि अपराध पर कार्रवाई हो रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ब्रिटेन में और अमेरिका में क्या अपराध नहीं हो रहा है? इस देश में प्रधानमंत्री की भी हत्या हुई है, इस दुनिया में राम है तो रावण भी हैं। उन्होंने कहा कि जब वह पैदा हुए थे, उसी समय खजाने से ही पैसे के लूट शुरू हुई थी और चारा घोटाला हुआ था। उसी की वह प्रोडक्ट हैं। दुनिया में कभी इतिहास नहीं है कि खजाना से ही पैसे के लूट हो गई हो। जो तेजस्वी यादव को मां-बाप का ज्ञान देगा, वही बच्चे बोलेंगे। वहीं, तेजस्वी यादव के द्वारा यह ऐलान किए जाने पर कि सत्ता में आने पर वह 200 यूनिट फ्री बिजली देंगे पर विजेंद्र यादव ने कहा कि उन्हें कुछ भी बोलने के पहले पता कर लेना चाहिए। तेजस्वी को पता कर लेना चाहिए 15 हजार करोड़ रुपए की बिजली पर सब्सिडी नीतीश सरकार दे रही है। बिहार में बंगाल यूपी से कम दर में बिजली मिलती है। वहीं स्मार्ट मीटर को लेकर आ रही शिकायतों पर उन्होंने कहा कि जो भी परेशानी आई है, उसे दूर किया जा रहा है। कुछ मामलों में तकनीकी फाल्ट सामने आये हैं उसे दूर कर लिया जाएगा। विजेंद्र यादव ने कहा कि तेजस्वी के पिता के समय में कोई काम नहीं हुआ था, तेजस्वी क्या बोलेंगे रोजगार स्वास्थ्य शिक्षा की स्थिति क्या थी? उसको कुछ दिखाई नहीं पड़ता है? चुनाव में कितना अच्छा प्रदर्शन रहा हम लोग सबसे ज्यादा सीट जीते। नीतीश कुमार के द्वारा महागठबंधन में शामिल होने पर लगातार मीडिया में चर्चा पर कहा कि यह बकवास है। हम लोग एनडीए में हैं और एनडीए में रहेंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान

ढाका। 19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम का ऐलान हो गया है। वहीं इस सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने किया है, जिनमें ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं, जो पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत में शामिल थे। नजमुल हुसैन शंटो कप्तानी करते नजर आएंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी ने एक अनकैप्ड बैटर को टीम में शामिल किया है, जबकि शोरीफुल इस्लाम चोट के कारण बाहर हैं। बोर्ड ने जाकेर अली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है। बांग्लादेश ने हाल ही में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया था। ऐसे में टीम के हौसले बुलंद होंगे और यही कारण कि टीम पेस बैटरी के साथ भारत आएगी। 19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए बांग्लादेश की टीम 15 सितंबर को चेन्नई पहुंचेगी। भारतीय खिलाड़ियों को आज यानी 12 सितंबर को चेन्नई में रिपोर्ट करना है। वहीं, दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से खेला जाएगा। इसके बाद दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है। दोनों मैच भारतीय समय के अनुसार सुबह साढ़े 9 बजे से शुरू होंगे।

बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है-

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, जाकेर अली, तस्किन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राना, तैजुल इस्लाम, महमुदुल हसन जॉय, नईम हसन और खालेद अहमद।

पहला टेस्ट मैच- 19 सितंबर से चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में।

दूसरा टेस्ट मैच- 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 1440 अंक चढ़कर 82,963 की नई ऊंचाई पर

नईदिल्ली। सभी सेक्टरों में खरीदारी के दम पर बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी गुरुवार को 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ रिकॉर्ड हाई पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1439.55 अंक या 1.77 प्रतिशत की बढ़त लेकर 82,962.71 की नई ऊंचाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 81,534.29 और 83,116.19 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 470.45 अंक या 1.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,388.90 के नए हाई पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,941.45 और 25,433.35 के रेंज में कारोबार हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एमएंडएम, जेएसडब्ल्यू स्टील और अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे। वहीं दूसरी तरफ, सेंसेक्स के शेयरों में केवल नेस्ले इंडिया में गिरावट देखी गई। इसके शेयर 0.09 प्रतिशत टूट गए।

सरकार की कोशिशों के बाद कम नहीं हो रहे प्याज के दाम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तमाम कोशिशों के बावजूद प्याज के दाम काबू में नहीं आ रहे है। राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में प्याज के रेट कम होने का नाम नहीं ले रहे है। खुदरा बाजार में अभी भी प्याज के दाम 70 से 80 रुपये किलो के आसपास बने हुए हैं, जबकि कुछ राज्यों में इसका न्यूनतम भाव 27 रुपये प्रति किलो चल रहा है। ऐसे में देशभर में प्याज की औसत कीमत 49.98 रुपये किलो के आसपास बनी है। केंद्र सरकार ने एक सप्ताह पहले आम आदमी की परेशानी को देखते हुए प्याज को कम रेट पर बेचने का फैसला लिया था। इसमें दिल्ली-एनसीआर, मुंबई में 35 रुपए किलो के हिसाब से आम लोगों को प्याज उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया था। बावजूद इसके बाजार में प्याज के दाम कम होने का नाम नहीं ले रहे है। राजधानी दिल्ली में बीते 10 दिनों में 5 से 7 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है।

अप्रावा एनर्जी को एनटीपीसी से 300 मेगावाट का प्रोजेक्ट मिला

नईदिल्ली। एकीकृत ऊर्जा समाधान प्रदाता अप्रावा एनर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी से 300 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह परियोजना राजस्थान में 24 महीने की निर्धारित अवधि में स्थापित की जाएगी। इसे ई-रिवर्स नीलामी प्रणाली के माध्यम से 2.65 रुपये प्रति किलोवाट घंटे की दर से हासिल किया गया है। बयान के अनुसार, अप्रावा एनर्जी ने अंतरराज्यीय पारेषण तंत्र (आईएसटीएस) से जुड़ी 300 मेगावाट (मेगावाट) सौर ऊर्जा परियोजना के लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ एक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना राजस्थान में अप्रावा की उपस्थिति को और मजबूत करती है। जनवरी, 2024 में एनएचपीसी के माध्यम से इसकी पहली 250 मेगावाट की नई सौर परियोजना की घोषणा की गई थी।

मारुति सुजुकी का 6 लाख गाड़ियां बेचने का लक्ष्य

नईदिल्ली। प्रमुख वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) चालू वित्त वर्ष (2024-25) में लगभग छह लाख सीएनजी वाहन बेचने की योजना बना रही है। यह पिछले वित्त वर्ष (2023-24) की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि कंपनी ने बुधवार को अपने सीएनजी मॉडल उत्पादों का विस्तार करते हुए अपनी प्रीमियम हैचबैक स्विफ्ट को एस-सीएनजी के साथ बाजार में उतारा। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने पीटीआई-भाषा से कहा, चालू वित्त वर्ष में हमारा लक्ष्य करीब छह लाख सीएनजी गाड़ियां बेचने का है। पिछले साल हमने करीब 4.77 लाख सीएनजी वाहनों की बिक्री की थी।

आईफोन की कामयाबी दूसरे क्षेत्रों में दोहराए भारत

गुरुचरण दास

एप्पल के आईफोन 16 के लॉन्च के साथ भारत के निर्माण क्षेत्र को बड़ी ताकत मिली है। नया 'मेड-इन-इंडिया' आईफोन पूरी दुनिया में अब उपलब्ध होगा, यह बहुत बड़ी बात है। भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती विशाल अर्थव्यवस्था हो सकता है, लेकिन यहां पर्याप्त नौकरियां नहीं पैदा हो रहीं। लेबर सर्वे से स्थिति का सही आकलन नहीं हो पाता, क्योंकि लोग बेरोजगार नहीं हैं। बहुत सारे लोग लो-प्रोडक्टिविटी वाली और अस्थायी नौकरियों में फंसे हुए हैं, जो उनकी उम्मीदों के मुताबिक नहीं है।

भारत ने सर्विस सेक्टर में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन औद्योगिक सफलता उस तरह की नहीं रही। मैन्युफैक्चरिंग का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में 15% से भी कम है। यह सेक्टर सिर्फ 11% लोगों को रोजगार देता है और दुनिया के कुल सामानों का सिर्फ 2% निर्यात करता है। ऐसा कोई देश नहीं, जिसने मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट के बिना तरक्की की हो। चीन इसका ताजा उदाहरण है।

एप्पल ने हाल ही में आईफोन बनाने के लिए भारत को दूसरे स्थान के रूप में चुना। इसे तेजी से मिली सफलता ने कई धारणाओं को तोड़ा है। साल 2021 तक आईफोन पूरी तरह से चीन में बनता था। अब जब भारत में इसका निर्माण शुरू हुआ है तो यह पहले ही डेढ़ लाख सीधी नौकरियां पैदा कर चुका है। करीब साढ़े चार लाख अप्रत्यक्ष नौकरियों के मौके भी बने हैं। साथ ही, सालाना 14 बिलियन डॉलर के आईफोन का निर्माण हो रहा और 10 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट किया जा रहा। हालांकि अब भी आईफोन के ग्लोबल प्रॉडक्शन का यह सिर्फ 14% हिस्सा ही है। अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि साल 2026 तक यह आंकड़ा 26% तक बढ़ सकता है।

एक सफल निर्यात केंद्र बनने के लिए भारत को आईफोन के पार्ट्स बनाने वाली कंपनियों को भी अपने यहां लाना होगा। कुल मूल्य का करीब 85% हिस्सा इन कंपनियों के पार्ट्स का होता है और ये ज्यादातर चीन की हैं। इनके आने से नौकरियों के ज्यादा मौके बनेंगे, ज्यादा स्किल और टेक्नॉलजी आएगी। हमारी छोटी और मझोली कंपनियां भी वैश्विक बाजार से जुड़ सकेंगी।

इस कहानी से कई बातें सीखने को मिलती हैं। पहली सीख, यह भ्रम छोड़ना होगा कि भारत एक बड़ा बाजार है। सच यह है कि बड़े ग्लोबल ब्रैंड 'मेक इन इंडिया' के लिए कतार में नहीं खड़े। जब एप्पल ने भारत में उत्पादन शुरू किया, तब यहां आईफोन की बिक्री दुनिया की सिर्फ 0.5% थी। आज कई बड़े ब्रैंड अपने ग्लोबल सप्लाई बेस को फैलाना चाहते हैं, लेकिन भारत उनकी लिस्ट में टॉप पर नहीं है, क्योंकि मैन्युफैक्चरिंग के लिए छवि उतनी अच्छी नहीं है। दूसरा सबक यह है कि कोई भी देश अपने घरेलू बाजार के दम पर पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं कर सकता। चीन हमसे कहीं बड़ा मार्केट है और उसे भी सफल होने के लिए एक्सपोर्ट की जरूरत पड़ी। एक्सपोर्ट में सफल होने के लिए ग्लोबल वैल्यू चेन से जुड़ना जरूरी है। यह तभी संभव है, जब भारत आयात-निर्यात पर लगने वाले टैक्स (टैरिफ) को कम करे।

हमें यह सबक भी मिलता है कि नौकरियां पैदा करने में मुख्य भूमिका एमएसएमई की नहीं, बड़ी कंपनियों की होती है। हां, कुल मिलाकर छोटी कंपनियां ज्यादा रोजगार देती हैं, लेकिन शुरुआत बड़े स्तर पर होनी चाहिए। सरकार को उन ग्लोबल ब्रैंड्स को टारगेट करना चाहिए, जो चीन में जोखिम को लेकर चिंतित हैं। जरूरी नहीं कि हर बार ग्लोबल ब्रैंड लीडर भारतीय हो। नौकरियों की भरमार के लिए भारत का पहला कदम यही होना चाहिए कि मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी कंपनियों को आकर्षित किया जाए। भारत को कुशल लोगों की जरूरत है। आईफोन की फैक्ट्रियों में ज्यादातर महिलाओं को सिर्फ 4-6 हफ्ते की ट्रेनिंग की जरूरत पड़ी। आईटीआई और स्किल मिशन जैसे हमारे ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट्स को इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम करना होगा। आईफोन की कहानी यह भी दिखाती है कि प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव को सही तरीके से कैसे लागू किया जाए।

रायपुर पश्चिम में लगातार स्वीकृत हो रहे हैं विकासकार्य

विधायक मूणत ने केवल 5 दिनों में किया 10 वार्डों में 5 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

मूणत ने पूर्व में भी किए हैं करोड़ो के निर्माण कार्य स्वीकृत - मूणत ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा नेताओं की खटपट और पैसा कमाने की झटपट ने सत्ता से भ्रष्टाचारी कांग्रेस को बेदखल किया

रायपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक श्री राजेश मूणत की अगुवाई में रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में प्रतिदिन निर्माण कार्यों को मंजूरी मिल रही हैं। मूणत ने गुरुवार को माधवराव सप्रे वार्ड में 90 लाख रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया।

मूणत ने बताया कि वह जनभावना के अनुरूप, मांग के आधार पर आवश्यक निर्माण कार्यों के लिए राशि स्वीकृत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह लोकसभा चुनाव के बाद से ही प्रतिदिन अलग-अलग वार्डों में विकास कार्य स्वीकृत कर रहे हैं। वहीं बीते 5 दिनों में ही उन्होंने 10 वार्डों में 5 करोड़ रुपए का भूमिपूजन किया है।

उन्होंने बताया कि रायपुर पश्चिम के विभिन्न वार्डों में सुविधाओ के विस्तार हेतु वह नागरिकों से चर्चा कर रहे हैं। इसके अलावा उनके कार्यालय ने आने वाले आवेदनों को भी देख रहे हैं। इसी आधार पर वह अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए जनता की सेवा में जुटे हुए हैं।

मुनक ने पूर्व वटी कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब छत्तीसगढ़ में विकास कार्य रुके हुए थे। कांग्रेस के पूर्व राष्टीय अध्यक्ष राहुल गांधी अपने बयानों में खटखटा शब्द का इस्तेमाल करते थे, लेकिन नेताओं की आपसी की खटपट ने भ्रष्टाचार करके झटपट पैसा कमाने की काली नियत ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल एक दिया।

कांग्रेस कहती कुछ है और करती कुछ और है। कांग्रेस केवल कहती रही,लेकिन भाजपा की सरकार ने वाकई में खटाखट और सांय सांय कार्य करके दिखाया हैं।

रायपुर पश्चिम के विधायक होने के नाते में पूरे 5 साल तक जन भावना के अनुरूप कार्य करते रहूंगा। मैं जनता को इस बात के लिए आश्वत करना चाहता हूं कि जब तक छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है तब तक किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है। हम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की हर गारंटी को पूरा करेंगे।

गुरुवार को मंजूर किए गए निर्माण कार्य इस प्रकार हैं-

- जन जागृति चौक में रंगमंच निर्माण 5 लाख
- आदर्श आंगनवाड़ी भवन निर्माण 10 लाख
- महादेव घाट में पिक टॉयलेट निर्माण 20 लाख
- वार्ड में चॉइस सेंटर भवन निर्माण 15 लाख
- राम चबूतरा के पास सामुदायिक भवन निर्माण 5 लाख
- विधायक निधि से स्वीकृत कार्य
- रायपुर में छत सहित रंगमंच निर्माण 10 लाख
- डिपरापारा में सामुदायिक भवन निर्माण 5 लाख
- छत्तीसगढ़ हरदिया साहू समाज रायपुरा में सामुदायिक भवन निर्माण 5 लाख
- मुख्यमंत्री अधोरसंरचना संधारण एवं उन्नयन प्राधिकरण से स्वीकृत विकास कार्य

एसीबी की टीम ने चार जिलों में मारा छापा, रिश्वत लेते 5 अफसरों को रंगेहाथों पकड़ा

रायपुर. एंटी करप्शन ब्यूरो ने आज छत्तीसगढ़ के महासमुंद, कबीरधाम और रायगढ़, गौरेला पेंड्रा- मरवाही में 5 रिश्वतखोर अधिकारियों को पकड़ा है. एसीबी इकाई बिलासपुर ने गौरेला पेंड्रा- मरवाही जिले के गौरेला जनपद पंचायत में पदस्थ लोकपाल वेद प्रकाश पांडेय को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा.

चार सितंबर को जनपद पंचायत गौरेला में पदस्थ कार्यक्रम अधिकारी रोशन शराफ ने शिकायत की थी. उन्होंने बताया था कि ग्राम पंचायत कुड़कई में मनरेगा योजना के अंर्तगत बने अमृत सरोवर निर्माण कार्य में अनियमितता के संबंध में लोकपाल वेदप्रकाश पांडेय द्वारा जांच की जा रही है, जिसे नस्तीबद्ध करने आरोपित उससे 25 हजार रुपये रिश्वत मांग रहा है। इस पर एसीबी ने ट्रैप कर प्रार्थी द्वारा मधुबन कालोनी गौरेला जाने वाली रोड में स्थित एटीएम के पास आरोपित को रिश्वत रकम देने का प्रयास करने पर आरोपित द्वारा प्रार्थी के चारपहिया के भीतर में बैठकर रिश्वत की रकम 25 हजार रुपये को लिया। उसी दौरान टीम ने उसे दबोच लिया.

महासमुंद में महिला उप-पंजीयक गिरफ्तार-महासमुंद में महिला उप पंजीयक पुष्पलता लिली बेग को रजिस्ट्री के एवज में रिश्वत लेते ट्रेप किया गया। महासमुंद जिले के सरायपाली उप-पंजीयक कार्यालय में उप पंजीयन के पद पर पुष्पलता लिली बेग पदस्थ हैं। पीड़ित वीरेंद्र पटेल ने रजिस्ट्री की एवज

में 26 हजार रुपये रिश्वत मांगने की शिकायत एसीबी से की थी। प्रार्थी से दान की पांच एकड़ जमीन की रजिस्ट्री के एवज में उप पंजीयक ने 11 हजार रुपये रजिस्ट्री शुल्क के अलावा 26 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी, जिसे प्रार्थी ने वाइस रिकार्ड कर एसीबी को दिया था। गुरुवार को 11 सदस्यीय टीम ने रेड कार्रवाई कर रंगे हाथ उप पंजीयक पुष्पलता लिली बैग को पकड़ा। उसके सहयोगी शत्रुहन ताड़ी को भी गिरफ्तार किया गया.

कवर्धा में सहायक लेखा अधिकारी गिरफ्तार- सहायक लेखाधिकारी, जनपद पंचायत, बोडला, जिला कबीरधाम को भी एसीबी ने रिश्वत लेते पकड़ा है. प्रार्थी मोती बैगा ने शिकायत की थी कि उसकी पत्नी ग्राम पंचायत, कुकरापानी की सरपंच है। शासन द्वारा उसके ग्राम पंचायत को आंगनबाड़ी भवन कार्य के लिए 11.69 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। स्वीकृत धनराशि का आहरण जनपद पंचायत बाडला कार्यालय से होना था। लगभग 05.84 लाख रुपये ग्राम पंचायत को जारी भी कर दिए। कार्यालय के सहायक लेखाधिकारी नरेंद्र ने रिश्वत की मांग की थी। इसकी शिकायत पर आरोपित नरेंद्र कुमार राउतकर को एक लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

रायगढ़ में शिक्षा विभाग का बाबू पकड़ाया- एसीबी ने रायगढ़ में शिक्षा विभाग के बाबू को रिश्वत लेते पकड़ा है। प्रार्थी ओमेंद्र सिंह चौहान, शिक्षक ने एंटी करप्शन ब्यूरो के बिलासपुर कार्यालय में शिकायत की थी। इसमें उन्होंने बताया था कि उसकी पत्नी के सिर के आपरेशन के इलाज का लगभग चार लाख रुपये का मेडिकल बिल पिछले तीन महिने से अधिक समय से लंबित था, जिसे पारित कराने के लिए ओमप्रकाश नवरतन, सहायक श्रेणी-02, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, खम्हार, जिला रायगढ़ ने 25 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी. इस पर एसीबी की टीम ने शिक्षा विभाग के बाबू को रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा.

राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

रायपुर। बलौदाबाजार आगजनी एवं लचर व बदहाल कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार पर ध्यानाकर्षण करने के लिये कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में राज्यपाल से मिलकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि सरकार की अकर्मण्यता के कारण प्रदेश की कानून व्यवस्था बदहाल हो चुकी है, वहीं अपनी नाकामी को छिपाने लगातार सरकार प्रशासन का दुरूपयोग कर विपक्षी पार्टी को निशाना बना रही है, तत्संबंध में निम्न बिंदुओं पर कार्यवाही हेतु आपका ध्यानाकार्षण करना चाहते हैं-

बलौदाबाजार जिले में घटित पूज्य जैतखाम को काटे जाने मामले में सतनामी समाज को आज तक न्याय नहीं मिला है, जो कि अत्यंत गंभीर विषय है, साथ ही कलेक्टर परिसर में घटित आगजनी की भयावह घटना घोर प्रशासनिक चूक व सरकार के उदासीनता का नतीजा था। कांग्रेस के विधायक श्री देवेन्द्र

यादव, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र बंजारे, एनएसयूआई के विधानसभा अध्यक्ष श्री सूर्यकांत वर्मा एवं अन्य कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं के खिलाफ बिना किसी साक्ष्य विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर द्वेषपूर्वक जेल भेज दिया गया, जिसके बाद पुलिस द्वारा ना ही कार्यवाही आगे बढ़ाई गई, ना आज पर्यन्त कांग्रेसजनों एवं सतनामी समाज के निर्दोष गिरफ्तार किये गये लोगों का चालान पेश किया गया है। जबकि सभा स्थल पर दोनों राजनैतिक दल सहित सतनामी समाज के नेता उपस्थित थे, लेकिन भाजपा समर्थित पीएचई ठेकेदार अजगल्ले एवं भाजपा के बलौदाबाजार जिला अध्यक्ष श्री सनम जांगड़े एवं अन्य भाजपा पदाधिकारी, नेताओं की भूमिका संदिग्ध रही है, पूज्य जैतखाम को काटे जाने को लेकर, सभा स्थल में भोजन व्यवस्था, टेंट व्यवस्था इनके द्वारा की गई, लेकिन पुलिस द्वारा अब तक इस दिशा को दबाए रखने का काम किया गया है।

वर्तमान में प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अपराध, सामूहिक दुष्कर्म, अनाचार, स्कूली छात्राओं के साथ छेड़?छाड़, नाबालिग बच्चियों का लैंगिक शोषण, जैसी घटनाए लगातार बढ़ रही है, जिससे प्रदेश की महिलाएं स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। वहीं ऐसे भी प्रकरण सामने आ रहे हैं, जहां पीड़िता को न्याय दिलाने के बजाय पुलिस मामले में लीपापोती करती है, बल्कि घटना को दबाए जाने दबाव बनाया जा रहा है। प्रदेश के सरकारी हॉस्टल, छात्रावास भी बच्चियों के लिए सुरक्षित नहीं है।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से लचर व बदहाल हो चुकी है, सरकार के संरक्षण में रेत माफिया, शराब कोचिया, प्रदेश भर में सक्रिय हैं, जिससे ग्रामीण व वनांचलों में भी दहशत का माहौल है, प्रदेश में चैन-स्नेचिंग, डकैती, चाकू-बाजी, गोलीबारी, हत्या, मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। प्रदेश में अंतरराज्यीय गिरोह अपना पैर पसार रहे हैं, जिसे रोकने के लिए सरकार पूरी तरह नाकाम है। वहीं सरकार द्वारा हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने और अपनी नाकामी छुपाने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर द्वेषपूर्वक कार्यवाही करने हेतु फर्जी एफआईआर दर्ज किए जा रहे हैं। अतः उपरोक्त विषयों पर कांग्रेस पार्टी आपका ध्यानाकर्षित करते हुए निर्दोषजनों की निःशर्त रिहाई एवं प्रदेश के बदहाल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग करते है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

उप मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहायता केंद्र में समस्याओं और आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के क्रम में गुरुवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उपस्थित रहकर काफी संख्या में आए आवेदनों का त्वरित निराकरण किया। इस दौरान सहायता केन्द्र में विभिन्न विषयों को लेकर आवेदन प्राप्त हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इनमें से अधिकांश आवेदनों का निराकरण संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा करके तत्काल किया और शेष आवेदनों के यथाशीघ्र निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान जन सहयोग केंद्र में प्रदेश महामंत्री जगदीश (रामू) रोहरा, आरटीआई प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विजयशंकर मिश्रा, रूपनारायण सिन्हा, आईटी सेल के प्रदेश संयोजक सुनील पिल्लई भी मौजूद रहे।

सदस्यता अभियानः संजय पहुंचे उत्तर विस बनाए सैकड़ों सदस्य

रायपुर। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव आज रायपुर की उत्तर विधानसभा पहुंचे जहां उनके नेतृत्व में सैकड़ों लोगो ने सदस्यता ली।संजय श्रीवास्तव ने बताया की सदस्यता अभियान को लेकर लोगो में भारी उत्साह देखा जा रहा है ,जनता मोदी जी के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों से बेहद उत्साहित है साथ ही विष्णुदेव साय सरकार ने महज कुछ महीनो में ही जो सुशासन छत्तीसगढ़ में लाने का कार्य किया है लोग उसकी सराहना करते हुए भाजपा पर ही विश्वास कर रहे है और सदस्य बनकर राष्ट्हित के कार्यों में अपनी सहभागिता हेतु उत्साहित है। उत्तर विधानसभा के बूथ नंबर 110 में उन्होंने लोगो से मुलाकात की सैकड़ों लोगो ने भाजपा की सदस्यता ली। इस दौरान सुमन राम प्रजापति, अनूप खेलकर,कमलेश राजपूत, रामदास मानिकपुरी, अरुण विश्वास सहित कार्यकर्तागण माजूद रहे।

64 दिन छुट्टी का ऐलानः दशहरा और दीपावली में 6-6 दिन का अवकाश

रायपुर। स्कूलों में इस साल 64 दिनों के लिए अवकाश की तिथियों की घोषणाा स्कूल शिक्षा विभाग ने की है। स्कूलों में इस साल दशहरा और ?दीपावली में 6-6 दिन की छुट्टी रहेगी। इस तरह शीतकालीन अवकाश 6 दिन का ही रहेगा। गर्मी की छुट्टिया 46 दिनों की होगी। स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर ने शिक्षा सत्र 2024-25 (26 जून 2024 से 30 अप्रैल 2025) के लिए राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं के लिए अवकाश की घोषण की है। इसमें दशहरा की छुट्टी 6 दिनों की रहेगी, जो 7 से 12 अक्टूबर तक होगी। दीपावली अवकाश 28 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रहेगा। शीतकालीन अवकाश 23 से 28 दिसंबर तक रहेगा। इस तरह गर्मी की छुट्टियां 1 मई से 15 जून 2025 तक 46 दिन की रहेगी। यह अवकाश शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त शालाओं और डीएड/बीएड/एमएड कॉलेजों में दिए जाएंगे।

एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या, इलाके में फैली सनसनी

बलौदाबाजार. छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ही परिवार के 4 लोगों की निर्मम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है. यह मामला कसडोल थाना क्षेत्र के ग्राम छरछेद का है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है. पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्ट्या आरोपियों ने टोनही के संदेह में 2 बहन, 1 भाई और 1 बच्चे की निर्मम हत्या की है. पुलिस ने संदेह के आधार पर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. कसडोल पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर रही.

महिला की मौत के बाद बेटे ने एनएचएमएमआई पर लगाए गंभीर आरोप,

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के लालपुर स्थित एनएचएमएमआई नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में दाखिल एक महिला की मौत के बाद बवाल मच गया। महिला की मौत को लेकर परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक के बेटे ओम खेमानी ने आरोप लगाया कि उनकी मां की मौत नहीं हुई, बल्कि उन्हें जानबूझकर मारा गया है। वहीं इस मामले में एनएचएमएमआई नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के फैकल्टी डायरेक्टर का बयान भी सामने आया है। ओम खेमानी ने बताया कि उनकी मां भारती देवी के इलाज के लिए उन्हें दो सितंबर को एनएचएमएमआई नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था.

जेल में बंद सूर्यकांत से नहीं मिल पाये बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री बघेल आज दोपहर केंद्रीय जेल पहुंचे. भूपेश बघेल जेल में बंद कोयला घोटाले के आरोपी सूर्यकांत तिवारी से मिलने पहुंचे थे. लेकिन उनकी मुलाकात सूर्यकांत तिवारी से नहीं हो पाई. वहीं उन्होंने विधायक देवेंद्र यादव से जेल में मुलाकत की. मुलाक़ात के बाद पूर्व सीएम ने ईओडब्ल्यू चीफ अमरेश मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायधीश को पत्र लिख कर कार्रवाई की मांग भी करेंगे. गृह मंत्री शर्मा ने उनके बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायधीश को पत्र लिखना उनका अधिकार है, लेकिन उन्हें किस बात का डर है. बघेल डर क्यों रहे हैं. जेल में मुलाकात के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने ईओडब्ल्यू चीफ़ अमरेश मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं. बघेल ने कहा कि गैर कानूनी ढंग से आईजी जेल में सूर्यकांत तिवारी से पूछताछ करने पहुंचे थे. उन्होंने सूर्यकांत तिवारी को मेरे खिलाफ बोलने के लिए दबाव बनाया. उन्हें डराया और षडयंत्र के तहत फंसाने की धमकी दी. सूर्यकांत तिवारी ने कोर्ट में जो आवेदन दिया उसमें कई गंभीर बात कही है. इससे पता चलता है कि लोकतंत्र नाम की चीज ही नहीं. मैं इस मामले में मुख्यमंत्री के साथ छत्तीसगढ़ और भारत के मुख्य न्यायाधीश को भी पत्र लिखूंगा. ऐसे अफसर के खिलाफ संज्ञान लेकर तत्काल कार्रवाई की जाए.

बीज निगम की मनमानी से परेशान किसानों ने की कृषि मंत्री नेताम से मुलाकात, बीजों की कीमत को लेकर दर्ज कराई शिकायत

रायपुर। प्रदेश के बीज उत्पादक किसानों ने आज कृषि मंत्री राम विचार नेताम से मुलाकात कर बीज निगम के मनमाना रवैया के खिलाफ अपनी शिकायत दर्ज कराई. प्रदेश भर के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने बीज भवन स्थित कृषि मंत्री के दफ्तर में मंत्री राम विचार नेताम से मुलाकात की. किसानों का कहना था कि राज्य शासन बीज उत्पादक किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों के उत्पादित बीज अच्छे दाम पर खरीदती है लेकिन इस साल किसानों के उत्पादित बीज को बाजार मूल्य से भी कम पर खरीदने के लिए दर निर्धारित की गई है, जो किसानों के साथ

सरासर अन्याय है.

किसानों ने बताया कि शासन ने गेहूं और चने की बीच के लिए जो दर तय की गई है, वह खुले बाजार में गेहूं और चने की दर से करीब 1500 से लेकर 2000 रुपए तक कम है. किसानों ने कहा कि बीज निगम को 100% बीज आपूर्ति करने के बाद रेंडम सैंपल पास होने पर 80% बीज ही निगम की ओर से लिया जाता है. इसके बाद किसान बचे हुए 20% बीज को खुले बाजार में बेचते हैं.

किसानों ने बताया कि शासन ने गेहूं की कीमत 3185 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की है जबकि खुले बाजार में गेहूं 3500 से लेकर 4000 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बेचा जा रहा है. इसी प्रकार चना की कीमत राज्य शासन ने 7002 रुपये प्रति क्विंटल तय की है जबकि खुले बाजार में चने की कीमत 9 से 10 हजार रुपए प्रति क्विंटल है. ऐसी स्थिति को अपना शोषण बताते हुए किसानों ने बीज निगम को दिए गए गेहूं और चने की बीज तुरंत वापस करने की मांग की है. कृषि मंत्री से मुलाकात में किसानों ने मांग की है कि बीज की कीमत निर्धारण करने के लिए जो कमेटी बनाई जाती है उसमें किसानों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए और बीज की कीमत अनाज के बाजार दर से अधिक तय की जाए। इससे किसान बीज उत्पादन के लिए लगातार प्रोत्साहित हो सकें.

किसानों की बात को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही किसानों की मांगों पर विचार कर राज्य शासन की ओर से उचित निर्णय लिया जाएगा.

स्विस पैरा आर्म रैसलिंग चैम्पियनशिप के लिए चयनित हुए श्रीमंत झा

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई के पैरा एथलीट श्रीमंत झा का चयन स्विस पैरा आर्म रैसलिंग चैम्पियनशिप के लिए हुआ है. उनका चयन 80 किलोग्राम वर्ग में हुआ है. चैंपियनशिप 13 सितंबर से 15 सितंबर तक स्विट्जरलैंड में आयोजित की जाएगी. वर्ष 2022-23 में श्रीमंत झा ने देश के लिए चार अंतरराष्ट्रीय मेडल जीता सात ही साथ नेशनल में गोल्ड मेडल जीता लेकिन उन्हें शहीद राजीव पांडे पुरस्कार के लिए अनदेखा किया गया. श्रीमंत झा छत्तीसगढ़ के सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतने वाले खिलाड़ी हैं. स्विस पैरा आर्म रैसलिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लेकर श्रीमंत छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि देश का नाम भी रोशन करेंगे. श्रीमंत झा स्कूल स्तर पर फुटबॉल खेलना चाहते थे,

लेकिन दाहिने हाथ में विकलांगता के कारण उन्हें इसकी इजाजत नहीं मिली. उन्होंने पास के ही एक जिम में दाखिला लिया और पैरा-रेसलिंग सीखकर अभ्यास शुरू कर दिया. छत्तीसगढ़ के भिलाई से ताल्लुक रखने वाले श्रीमंत झा के दोनों हाथों में चार, चार उंगलियां है. इसके बावजूद उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया है. कई स्वर्ण पदक जीते हैं. श्रीमंत झा दुनिया के तीसरे नंबर और एशिया के नंबर एक पैरा-आर्म रेसलर हैं.

उन्होंने अब तक 48 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं. माता-पिता ने श्रीमंत के ऊपर हमेशा भरोसा किया. भिलाई के दोस्तों ने भी श्रीमंत का साथ दिया.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.